प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-05, अंक - 48 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 31 अगस्त 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

यदि आप एक सम्मानजनक जीवन जीने में विश्वास करते हैं, तो आप स्वालंबन में विश्वास करते हैं जो श्रेष्ठ सेवक है।

बी.आर. अंबेडकर

500 करोड़ के घोटाले के आरोप में फंसे सीएस को मुद्दा बना शिवराजसिंह को घेरने की तैयारी

नई दिल्ली/भोपाल।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी लगातार सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोल रही है। कांग्रेस आए दिन शिवराज सरकार के घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस और आजीविका मिशन के सीईओ ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ लोकायुक्त से शिकायत की है। कांग्रेस ने दोनों अफसरों पर 500 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप लगाए हैं। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने इस मामले में लोकायुक्त को शिकायत दर्ज करवाई करवाई है।

राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दोनों अफसरों पर कई आरोप लगाए हैं। विवेक तन्खा ने कहा, 'ये मध्यप्रदेश के इतिहास का बेहद दुखद प्रसंग है इससे पहले कभी प्रदेश में ऐसा दिन नहीं आया जब प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी के खिलाफ लिखित में भ्रष्टाचार की शिकायत की गई हो।

प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस पर बड़ा हमला बोलते तन्खा ने कहा, 'जब प्रदेश में कमलनाथ की सरकार गिरी और शिवराज सरकार आई तो दूसरे ही दिन मुख्य सचिव के तौर पर इकबाल सिंह बैंस की वापसी हुई। इसके बाद आजीविका मिशन के सीईओ ललित मोहन बेलवाल भी वापस आ गए।'

हम दूध का दूध पानी का पानी चाहते हैं- विवेक

तन्खाविवेक तन्खा ने मध्य प्रदेश अकाउंटिंग जनरल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, 'इसमें 500 करोड़ का घपला बताया गया है। लेकिन इसके बावजूद ललित मोहन बेलवाल को सीईओ पद पर कंटिन्यू किया गया, इतने घोटाले के बावजूद उन्हें लगातार एक्सटेंशन दिया जा रहा है और उन्हें मुख्य सचिव का संरक्षण है।' विवेक तन्खा ने इसे मध्य प्रदेश के लिए दुखद प्रसंग बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने कई बार विधानसभा में इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की, लेकिन इसे उठाने नहीं दिया गया।

विवेक तन्खा ने सीएस इकबाल सिंह बैस और आजीविका मिशन सीईओ ललित मोहन बेलवाल को निशाने पर लेते हुए कहा, 'अभी हमने लोकायुक्त से शिकायत की है और हमें इस बात की उम्मीद है कि लोकायुक्त इस मामले की निष्पक्षता से जांच करेगा। हम दूध का दूध और पानी का पानी चाहते हैं क्योंकि आठ जिलों में जो 500 करोड़ रुपए का जो ये घोटाला हुआ है वो नौनिहालों और माताओं बहनों के साथ धोखा है और इसलिए हम मध्य प्रदेश की जनता को इंसाफ दिलाने के लिए जल्द से जल्द इस घोटाले में कार्रवाई चाहते हैं।'

चीन-पाक के छूटेंगे पसीने, आ रहा समंदर का सिकंदर

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नए युद्धपोत महेंद्रगिरि को लॉन्च करने की पूरी तैयारी हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ 1 सितंबर को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में भारत के नए युद्धपोत महेंद्रगिरि को लॉन्च करेंगी। महेंद्रगिरि, प्रोजेक्ट 17ए का सातवां और आखिरी स्टील्थ फ्रिगेट है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत चार युद्धपोत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में और बाकी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 अगस्त को जीआरएसई में प्रोजेक्ट 17ए के छठे युद्धपोत विंध्यगिरि को लॉन्च किया था। नौसेना के अधिकारियों का कहना है, महेंद्रगिरि हमारे देश द्वारा आत्मनिर्भर नौसैनिक बल के निर्माण में की गई अविश्वसनीय प्रगति का एक उपयुक्त प्रमाण है। प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स प्रोजेक्ट 17 (शिवालिक क्लास) फ्रिगेट्स का फॉलोअप है, जिसमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत पिछले पांच युद्धपोत 2019-22 के दौरान लॉन्च किए गए थे। इन युद्धपोतों का लॉन्च ऐसे समय में हुआ है जब रक्षा में आत्मनिर्भरता होना सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीनी सैनिक अपनी निगरानी बढ़ा रहे हैं, ऐसे में भारतीय सेना-नौसेना (पीएलएएन) अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए मिलकर प्रयास कर रही हैं। सभी प्रोजेक्ट 17ए युद्धपोत वर्तमान में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और 2024-26 के दौरान नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है।

क्या होगी खूबियां

इस प्रोजेक्ट के जहाज को दुश्मन के विमानों और एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों के खतरे का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस तरह के उन्नत जहाजों में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली भी लैस की गई है। दो 30 मिमी रैपिड-फायर बंदूकें जहाज को नजदीक से रक्षा क्षमता मुहैया करागी जबकि एक एसआरजीएम गन प्रभावी नौसैनिक को गोलाबारी में सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। स्वदेशी रूप से विकसित ट्रिपल ट्यूब लाइट वेट टारपीडो लॉन्चर और रॉकेट लॉन्चर जहाज की पनडुब्बी रोधी क्षमता में इजाफा करेंगे।

कब तक चलेगा मिशन चंद्रयान-3....? होगा चांद पर अंधेरा, क्या करेगा प्रज्ञान

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा भेजे गए चंद्रयान-3 की अवधि कितनी बची है? इसे लेकर तरह-तरह के दावे सामने आ रहे हैं। इसरो के वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की सतह पर उतरा रोवर प्रज्ञान 14 दिन बाद भी अपना काम जारी रखेगा। मगर ऐसा बताया जा रहा है कि 14 दिनों के बाद मिशन में तकनीकी चुनौतियां आनी शुरू हो जाएगीं। 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतरा प्रज्ञान के मिशन की प्राथमिकता चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करना, चंद्रमा की सतह का पता लगाना और अमूल्य वैज्ञानिक डेटा एकत्र करना था।

चंद्रयान-3 का एक प्रमुख लक्ष्य पानी की तलाश करना था, क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना ??है कि दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में स्थाई रूप में छाया में रहने वाले विशाल गड्ढे में बर्फ जमा है। चंद्रमा पर पानी की मौजूदगी भविष्य में चंद्रमा पर मानव निवास की संभावनाओं की तरफ इशारा है। रोवर प्रज्ञान चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने के लिए चंद्रमा की मिट्टी का विश्लेषण कर रहा है और डेटा एकत्र कर रहा है। हालांकि, लूनर नाइट (चंद्र रात्रि) की शुरुआत के साथ रोवर संचालन बंद कर देगा। यह चंद्रयान-3 प्रोजेक्ट के पूरे होने का संकेत हैं।

यह इतनी जल्दी क्यों खत्म हो जाएगा?

मिशन लूनर नाइट के कारण समाप्त हो जाएगा क्योंकि चंद्रमा की सतह सूर्य नहीं आ पाएगा। जिससे रोवर काम करना बंद कर देगा। यह घटना लगभग पृथ्वी के 14 दिनों तक चलती है। इस दौरान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में अंधेरा हो जाता है, जिससे सौर ऊर्जा से संचालित प्रज्ञान रोवर का संचालन करना असंभव हो जाता है।

प्रज्ञान ने भेजी तस्वीर

इसरो ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव में उतरने के बाद प्रज्ञान रोवर द्वारा खींची गई वक्रिम लैंडर की बुधवार को तस्वीर जारी की। यह तस्वीर रोवर पर लगे नेविगेशन कैमरे (नवकैम) द्वारा ली गई है। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के आधिकारिक हैंडल पर कहा, चंद्रयान -3 मिशनः कृपया मुस्कुराएं! प्रज्ञान रोवर ने आज सुबह वक्रिम लैंडर की एक तस्वीर क्लिक की। 'मिशन की तस्वीर' रोवर पर लगे नेविगेशन कैमरे (नवकैम) ने ली है।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जैन मंदिर को तोड़ रख दिया शिवलिंग, दिग्विजय सिंह की सूचना पर मामला दर्ज

दमोह। मध्य प्रदेश पुलिस ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिग्विजय सिंह पर आरोप है कि, उन्होंने अपने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से भ्रामक पोस्ट किया था। आरोप है कि दमोह जिले में स्थित एक जैन मंदिर को लेकर उन्होंने भ्रामक पोस्ट किया था। एक अधिकारी ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है। हालांकि, बाद में दिग्विजय सिंह ने इस पोस्ट को हटा दिया था। आरोप है कि राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने 27 अगस्त को अपने 'एक्स' हैंडल पर दावा किया था, 'बजरंग दल के कुछ असामाजिक तत्वों ने दमोह के कुंडलपुर में स्थित जैन मंदिर परिसर में 26 अगस्त की रात तोड़फोड़ कर दी और वहां एक शिवलिंग रख दिया।' दिग्विजय सिंह ने इस पोस्ट के साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और डीजीपी को भी टैग किया था। दमोह के पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी ने कहा कि इस शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए (अलग-अलग धर्मों के बीच वैमनस्य फैलाना) , 177 (गलत सूचना देना)और 505(2) (जनता को भटकाने के लिए गलत बयानी करना)के तहत केस दर्ज किया है।

उन्होंने कहा कि, मौका-ए-वारदात पर जाकर कुंडलपुर जैन मंदिर में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट और सब-डिविजनल ऑफिसर ऑफ पुलिस ने जांच-पड़ताल की थी। जांच में यह पाया गया कि तोड़फोड़ की यह घटना गलत है। इसमें कोई तथ्य नहीं और यह भ्रामक बात है। इसके बाद दमोह पुलिस ने गलत जानकारी देने और बजरंग दल के बारे में गलत सूचना देने के आरोप में दिग्विजय सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। कुंडलपुर ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष चंद्रकुमार बजाज ने भी मंदिर में ऐसी किसी घटना से इनकार कर दिया है। बजरंग दल के शहर के संयोजक शंभू विश्वकर्मा ने कहा कि दल के कार्यकर्ताओं ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ पुलिस को एक ज्ञापन सौंपा। जिसके बाद पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ केस दर्ज किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि दिग्विजय सिंह ने सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने की कोशिश की है इसलिए उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए।

फूड फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव, 5 मजदूरों की मौत

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना में साक्षी फूड फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव होने से बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम कर रहे 5 मजदूरों की मौत हो गई। प्रशासन के अधिकारी और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। पांचो मृतक मजदूरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फैक्ट्री को खाली कराया गया है। जिले के जरेरुआ इलाके में साक्षी फूड फैक्ट्री में घटना हुई है। साक्षी फूड फैक्ट्री में दो मजदूर 9 फीट गहरे टैंक को साफ करने के लिए उतरे थे। टैंक में जहरीली गैस के रिसाव के चलते दोनों मजदूरों को दिक्कत होने लगी। हालत खराब होने पर उन्हें बचाने के लिए एक के बाद एक तीन और मजदूर उसे टैंक में उतर गए। जिसके कारण सभी 5 मजदूरों की टैंक के अंदर में ही मौत हो गई। मृतकों 5 मजदूरों में तीन मजदूर सगे भाई है। सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस के अधिकारी और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचे हैं। मृतक मजदूरों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। साक्षी फूड फैक्ट्री में चेरी बनाने का काम किया जाता है। मुरैना के एसपी शैलेन्द्र चौहान ने घटना के बारे में एएनआई को बताया, मुरैना में एक चेरी फैक्ट्री के बॉयलर में पांच मजदूरों की मौत हो गई। उनके शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस कर्मी मौके पर मौजूद हैं।

राखी-ओणम का तोहफाः गैस सिलेंडर सस्ता, उज्ज्वला लाभार्थियों को मिलेगी छूट

नई दिल्ली।

केंद्रीय कैबिनेट ने घरेलू रसोई गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार महंगाई की मार झेल रही जनता को राहत देने के लिए रक्षाबंधन और ओणम पर बड़ा एलान किया है। गैस सिलेंडर की कीमतों में सभी उपभोक्ताओं को 200 रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले से मिल रही 200 रुपये की सब्सिडी के अतिरिक्त अलग से 200 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यानी उन्हें एक गैस सिलेंडर पर 400 रुपये की छूट मिलेगी। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसका एलान किया।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को कैसे मिलेगा 400 रुपये की सब्सिडी का लाभ?

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत लोगों को गैस सिलेंडर पर अलग से 200 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यानी उन्हें पहले से मिल रही 200 रुपये की सब्सिडी के अलावे अतिरिक्त 200 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। ऐसे में उन्हें कुल 400 रुपये की सब्सिडी का दोहरा लाभ मिलेगा। इससे पहले एक अगस्त को पेट्रोलियम कंपनियों ने व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती की गई थी। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि गैस सिलेंडर सस्ता हुआ फिर एक बार, राखी और ओणम पर देश की करोड़ों बहनों को पीएम ने दिया उपहार।

सरकार ने 75 लाख नए मुफ्त गैस कनेक्शन देने का किया एलान

केद्रीय मंत्री ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि 75 लाख महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन भी दिया जाएगा। उन्हें पाइप और चूल्हा भी मुफ्त में दिए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में प्रत्येक उपयोगकर्ता के लिए प्रति सिलेंडर 200 रुपये की कमी की गई है। वहीं, 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत 75 लाख नए गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के लाभार्थियों को पहले से ही 200 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। लेकिन दर में कमी से उन्हें भी फायदा होगा, जिसका मतलब है कि 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के लाभार्थियों के लिए दर में कमी 400 रुपये प्रति सिलेंडर होगी।

कैबिनेट में चंद्रयान 3 से जुड़े हर व्यक्ति की सराहना की गई

कैबिनेट की बैठक के बारे में बताते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया कि पीएम की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। चंद्रयान मिशन 3 की सफलता ने देश और दुनिया में हमारा रुतबा बढ़ाया है। यह सफलता भारत की प्रगति का प्रगति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे के रूप में मनाया जाएगा। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश है। कैबिनेट ने चंद्रयान 3 जुड़े हर व्यक्ति की सराहना की है।

गैस की कीमतें कम करने के एलान के बाद पीएम का ट्वीट

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती के एलान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ÷रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है।÷

सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता का मांग ब्यौरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से जेल में बंद कैदियों को मुहैया कराई जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं का ब्यौरा मांगा है। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने सरकारों से कैदियों को दिए जाने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण के बारे में भी जानकारी मुहैया कराने को कहा है। 1382 जेलों में अमानवीय स्थितियों पर वर्ष 2013 में लिए गए स्वतः संज्ञान मामले में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि, हमारी राय है कि कुछ अन्य मुद्दों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, जिनमें जेल में कैदियों को चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, समाज में वापस जाने के लिए उपयोगी बनाने के लिए उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण देना और जेल परिसर में पर्याप्त आईटी बुनियादी ढांचा शामिल है। इसके साथ ही अदालत ने केंद्र और राज्य सराकार से जेल में बंद लोगों के परिवार के सदस्यों की कार्यवाही और मुलाक़ात के अधिकार को लेकर वर्चुअल अदालत के संचालन के लिए पर्याप्त सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के बारे में भी हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

मेमू के बड़े डिब्बे और जम्बुतवी ट्रेन का हुआ स्टॉपेज, जनता बन्द होने से हो रही परेशानी से मलेगी राहत

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गूंज ने उठाया था ट्रेन समस्या का मुद्दा, जनप्रतिनिधि लगातार कर रहे थे प्रयास

जम्बुतवी का पहला टिकिट ग्राम पंचायत की सरपंच रामकन्या मखोड ने खरीदी।

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

लम्बे समय के बाद बामनिया रेलवे स्टेशन पर एक और ट्रेन के स्टॉपेज से क्षेत्र में हर्ष व्याप्त हैं। साथ ही जिले की जीवन रेखा के रूप में चल रही उज्जैन.दाहोद मेमू ट्रेन में कम हुए 4 कोच फिर से जुड़ने से आम यात्रियों को बड़ी राहत मिली हैं। कोरोना काल के बाद जनता एक्सप्रेस बन्द होने से आम जनता खास कर पेटलावद विकास खण्ड और थांदला विकास खण्ड के बड़े हिस्से सहित राजस्थान सीमा पर लगे गाँव से बामनिया यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लगातार मांग के बाद रेलवे की और से जनता एक्सप्रेस शुरू करने में असमर्थता दिखाई थी। दूसरी ओर लोकल मेमू ट्रेन में रेलवे में बिना किसी कारण के 4 कोच कर दिए जिससे ट्रेन में सफर करना मुश्किल हो गया था। रेलवे से जुड़ी इन परेशानीयो के लिए लगातार जनप्रतिनिधियों ओर पत्रकारो द्वारा सरकार और क्षेत्र के सांसद गुमानसिंह डामोर का ध्यानाकर्षण करवा जा रहा था। आखिर क्षेत्र के सांसद ने जनता की परेशानी की ओर ध्यान देते हुए अपने कहे मुताबिक क्षेत्र की जनता को दोनों सौगात बुधवार को दी। जहा मेमू लोकल पैसेंजर में कम किये चार कोच फिर से जोड़ कर 12 कोच वाली मेमू शुरू कीए वही दूसरी और जनता एक्सप्रेस बन्द होने से हो रही परेशानी से निजाद दिलाने के लिए जम्बुतवी का स्टॉपेज बामनिया रेलवे स्टेशन पर स्वीकृत किया गया।

गूंज ने उठाई थी मांगए एक माह का मिला था आश्वासनए नीमच.मंदसौर लाइन को जोड़ने और दाहोद.वलसाड की बढ़ाने की मांग

गत माह पेटलावद विकास खण्ड में स्वीकृत रोडो को लेकर पेटलावद में सांसद गुमानसिंह की प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया था। प्रेसवार्ता के दौरान गूंज प्रतिनिधि राकेश गेहलोत द्वारा क्षेत्र की रेलवे से जुड़ी इस गम्भीर समस्या को पुरजोर तरीके से उठाया गया। जिंसमे मेमू में कम किये गए कोचए ओर जनता बन्द होने से हुई परेशानी मुख्य थी। सांसद गुमानसिंह डामोर ने इस दौरान एक माह में ये दोनों सुविधा देने का कहा था। प्रेसवार्ता के दौरान रेलवे की नीमच.मंदसौर लाइन को दाहोद तक जोड़ने और दाहोद.वलसाड चलने वाली ट्रेन को रतलाम तक बढाने की मांग भी गूंज की और से रखी गई थी। जिस पर भी सांसद ने क्षेत्र की जनता को आश्वस्त करते हुए इसके लिए प्रयास करने आश्वासन दिया था। इससे पहले गूंज के प्रयासों के बाद केंद्रीय नेतृत्व से सांसद झाबुआ और अलीराजपुर के लिए मेडिकल कॉलेज की मांग कर चुके हैं।

ट्रेन को दिखाई हरि झंडीए मिठाई खिलाकर किया स्वागत

मंच लगा कर किया स्वागत।

ट्रेन स्टॉपेज ओर मेमू के 4 कोच पुनः जुड़ने से नगर सहित क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है। ट्रेन स्टॉपेज को हरी झंडी दिखाने पहुचे सांसद गुमानसिंह डामोर का नगर में स्वागत एअभिनंद कर धन्यवाद दिया गया। ग्राम पंचायत द्वारा रेस्ट हाउस के पास तो नगर के चौराहे पर नगर भाजपा के द्वारा सांसद का स्वागत सम्मान किया गया। इसके पश्चात रेलवे स्टेशन पर नगर के वरिष्ठ नागरिकों और भाजपा नेताओं की उपस्थिति में जम्बुतवी ट्रेन का स्टॉपेज हुआ। स्टॉपेज के पश्चात ट्रेन के ड्राइवर और स्टाफ का स्वागत कर मिठाई खिलाई गई।

बड़ौदा रेल्वे स्टेशन से हुई गुम ममता भूरिया

माही की गूंज, भामल।

खवासा चोकी क्षेत्र के ग्राम परवाड़ा निवासी ममता पति मुन्ना जाति भूरिया उम्र 35 वर्ष अपने पति मुन्ना भूरिया के साथ गुजरात के बड़ौदा के आगे अंकलेस्वर में एक फैक्ट्री में काम करने हेतु गये थे। रक्षाबंधन त्यौहार के मद्देनजर रविवार को ट्रेन से अपने गांव आ रहे थे कि, बड़ौदा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार ममता व उसका पति मुन्ना कर रहे थे। ट्रेन देरी से होने के कारण स्टेशन से बाहर आवश्यक सामान खरीदने हेतु मुन्ना चला गया। वापसी करीब आधे घंटे बाद रेलवे स्टेशन पर मुन्ना जहां उसकी पत्नी ममता को छोड़कर गया था पहुंचा तो उसकी पत्नी वहां पर नहीं दिखी। पूरा स्टेशन व स्टेशन के बाहर ढूंढने पर ममता नहीं मिली। जिसके बाद मुन्ना अपने गांव आया और अपने परिजन को बताया। दो दिन इंतजार किया की ममता भूल वंश कहीं चली गई हो तो आ जाएगी मंगलवार को बड़ौदा रेलवे पुलिस स्टेशन पर रिपोर्ट दर्ज करवाने एवं सीसीटीवी कैमरे को खंगालने हेतु मुन्ना एवं उसके परिजन बड़ौदा पहुंचे। लेकिन रेलवे पुलिस ने दो दिन और आस-पास एवं परिवार में ढूंढने की बात कहकर बिना रिपोर्ट दर्ज किए परिजन को रवाना कर दिया। मुन्ना एवं मुन्ना के काका कमलेश भूरिया ने अपील की है कि, कहीं भी ममता भूरिया किसी को भी दिखाई दे तो 8349755438 पर सूचित करें। परिजनों ने बताया ममता थोड़ी मंद बुद्धि भी है।

श्रावणी पुर्णीमा पर की पुजा

माही की गूंज, थांदला।

श्रावणी पूर्णिमा पर स्थानीय अम्बिकेशवर महादेव मंदिर घोड़ा कुण्ड थांदला पर पंडित योगेन्द्र मोड़ के सानिध्य में ब्राह्मणों ने यज्ञोपवीत धारण की गई। जिसमें तीनों काल की संध्या पुजनए देव ऋषि तर्पणए पित्र तर्पण विधि पूर्वक सम्पन्न करवाई। महादेव का पुजन कर दुग्धाभिषेक कर श्रृंगार किया और आरती उतारी जिसमें जयेंद्र तिवारीए भययू भाई आचार्यए मुकेश भट्ट एसंदीप गोली उपाध्यय आदि ने यज्ञोपवीत धारण किया।

रक्षाबंधन को लेकर बाजार में दिखी रोनक

माही की गूंज, पारा। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर गांव के गली चौराहे पर दर्जनों भर से भी अधिक राखी की दुकान लगी। बुधवार को राखी की दुकानों पर जबरदस्त भीड़ दुकानों पर दिखी। दुकान व्यापारी किशन पांचाल ने बताया किए हमारे दुकान पर तरह.तरह की राखी बेची जा रही है। दूसरे व्यापारी दिलीप डाबर ने बताया किए मेरी दुकान पर 1 रूपये से लगाकर 200 रूपये तक की डायमंडए कोलकाता रुद्राक्ष वाली बच्चों के लिए लाइट वाली राखियां बेची जा रही है। वही कपड़ों की दुकानों पर कम भीड़ दिखाई दी कपड़ा व्यापारी धर्मेंद्र राठौर ने बताया किए पेंट.शर्टए फ्रॉकए सूट को छोड़कर टॉवल एजाखलाए ब्लाउज पीस वह घाघराए रुमाल का अच्छा खासा व्यापार चला।

गंगेश्वर महादेव की निकले प्रजा का हाल जानने

माही की गूंज, शाजापुर/कलापीपल।

कलापीपाल नगर के शिव नगर कॉलोनी स्थित गंगेश्वर महादेव की शाही सवारी निकाली गई। जहा सवारी में भोले के भक्तो का हुजूम उमड़ पड़ा, इस दौरान बोल बम के नारों से नगर गूंज उठा। शिव नगर कॉलोनी स्थित गंगेश्वर महादेव की सावन के आखरी सोमवार को शाही सवारी निकाली गई, जहा भगवान भोलेनाथ पालकी में सवार शिव मंदिर पहुंची। इस दौरान नगर में ढोल ताशे पर जमकर नृत्य किया। इससे पूर्व भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर सुख बाजे पर चल रहे गीतों पर गरबा बाबा महाकाल की पूजा अर्चना कर समृद्धि की कामना की। वही सवारी के दौरान महाआरती उतारकर शाही सवारी की भोले के भक्त डीजे की धुन पर नाचते भगवान की आकर्षक झांकियां शुरुआत की गई। शाही सवारी में शिव भक्त गाते चल रहे थे पीछे पालकी में भी निकाली गई। शाही सवारी मंदिर से प्रारंभ हुई जो बस स्टैंड, बाबा महाकाल भक्तो का हाल के दौरान बोल बम के नारों से पंचमुखी चौराहा, अन्नपूर्णा माता, शिव मंदिर मंदिर, राजीव चौक, स्टेशन चौराहा व सब्जी बाजार से होते हुए पालकी पुनः मन्दिर पहुंची।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने की महाराज को प्रत्याशी बनाने की मांग

माही की गूंज, शाजापुर/कलापीपल।

शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा क्षेत्र के मतदाता व भाजपा से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं ने जिला भाजपा कार्यालय पर जमकर नारेबाजी कर कालापीपल क्षेत्र के विकास व सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए लोकप्रिय देवास के महाराज श्रीमंत विक्रमसिंह पवार को कालापीपल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बनाये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि, हम भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण समर्पण के साथ सहयोग करते आ रहे है। विगत कुछ वर्षों में हम कार्यकर्ताओं की काफी उपेक्षा हुई है। श्रीमंत विक्रमसिंह पवार के विधानसभा क्षेत्र कालापीपल में दावेदारी से हम सभी जमीनी कार्यकर्ताओं एवं जनमानस में उत्साह एवं आत्मविश्वास जागृत हुआ है। श्रीमंत विक्रमसिंह एक युवा चेहरे के साथ भाजपा के वो कार्यकर्ता है जो विपक्ष को कड़ी चुनौती दे सकते है। निश्चित ही हम सभी कार्यकर्ता क्षेत्र के नागरिकों के साथ मिलकर कालापीपल विधानसभा क्षेत्र को पुनः भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जीताने की बात कहीं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभी तक क्षेत्र विकास के मामले में पिछड़ा हुआ है कोई भी क्षेत्र के विकास के लिए आवाज उठाने को तैयार नहीं है। एकमात्र लोकप्रिय युवा श्रीमंत विक्रमसिंह पवार ही आमजन में रचे बसे दिखाई दे रहे। बड़ी संख्या में पहुँचे कार्यकर्ताओं ने पूर्ण विश्वास के साथ सभी भाजपा के कार्यकर्ता श्रीमंत विक्रमसिंह पवार को प्रत्याशी बनाने का समर्थन कर भाजपा जिला अध्यक्ष से हमारी आवाज ऊपर वरिष्ठ लोगों तक पहुँचाने का आग्रह किया।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत ऑनलाइन सेवाओं के बारे में दी जानकारी

माही की गूंज, शाजापुर।

लोक सेवा जिला प्रबंधक आशय श्रीवास?तव ने बताया कि, शासन से प्राप?त निर्देशानुशार लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत तहसील स?तर पर संचालित लोक सेवा केद्रों के माध्यम से नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाएं एवं सीएम जन सेवा के व्यापक प्रचार-प्रसार की गतिविधियों के तहत शाजापुर जिले में संचालित लोक सेवा केंद्रों के द्वारा प्रदाय की जाने वाली तत्काल सेवाओं के बारे एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत ऑनलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदाय की गई। शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही सुचारू रूप से लोक सेवा केंद्रों में चल रही है। इस संबंध में आशा और ऊषा कार्यकर्ताओं एवं आगनवाडी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली समस्त सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी अवगत कराया गया।

परिवर्तन यात्राओं के सहारे भाजपा

राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुयें हैं। वसुंधरा समर्थको को मानना है कि उनको ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती है तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं की मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें।

पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता हैं कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने.अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खींचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खेतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी बड़े नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बडा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके।

ऐसे में अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजेए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावतए अर्जुन मेघवालए प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशीए नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ए उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़ खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेगी। यह यात्रा चार अलग.अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8ए982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चैपालए युवा मोटरसाईकिल रैलीए महिलाओं की बैठक और दलित चैपालें भी आयोजित होंगी।

पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ होगी। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहेगा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभागए जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल होंगे। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ होगी। दूसरी यात्रा के दौरान 19 दिनों में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभागए कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को व सह संभाग प्रभारी प्रमोद सांभर सह सयोजक के दायित्व का निर्वहन करेंगे।

तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभागए अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है। जोधपुर सह.संभाग प्रभारी सांवलाराम देवासी सहसंयोजक होंगे। चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2128 किलोमीटर चलकर बीकानेर संभागए झुंझुनूए सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण बगडी को सह संयोजक बनाया गया है।

इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडियाए सोशल मीडियाए आईटी एंव प्रचार.प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचारए तुष्टिकरण एंव कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसलिए कांग्रेस की इस जनविरोधी सरकार को उखाड फेंकने के लिए जनता ने संकल्प ले लिया है।

विधानसभा चुनाव से पहले निकाली जा रहीं भाजपा की चारों परिवर्तन यात्राओं को केंद्रीय स्तर के नेता रवाना करेंगे। भाजपा ने किसी एक चेहरे को इन यात्राओं की जिम्मेदारी नही दी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि प्रदेश स्तर की यात्राओं में भाजपा आलाकमान ने किसी भी स्थानीय नेता को जिम्मेदारी क्यों नहीं दी। इसका मुख्य कारण कारण पार्टी में व्याप्त गुटबाजी को माना जा रहा है। किसी एक नेता के चेहरे को आगे करने से पार्टी के अन्य नेता नाराज हो सकते हैं। इससे बचने के लिए पार्टी ने यह कदम उठाया है। पार्टी आलाकमान नहीं चाहता कि चुनाव से पहले किसी तरह के मतभेद सामने आएं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भाजपा की राष्टीय उपाध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी आलाकमान ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे राजे और उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। परिवर्तन यात्रा को लेकर भी पार्टी ने राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे पहले हुए भाजपा के कई कार्यक्रम में राजे शामिल नहीं हुईं थीं। कुछ दिनो पूर्व गंगापुरसिटी में अमित शाह के कार्यक्रम में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुयी जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस कार्यक्रम में उपस्थित थे। ऐसे में अभी तक इस पर संशय बना हुआ है कि वसुंधरा राजे परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होंगी या नहीं। इसकी तस्वीर आने वाले दिनों में साफ होगी। भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा समय का इंतजार कर रही है। अंदर खाने वसुंधरा राज्य ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोत के साथ जुट गए हैं। ऐसे में भाजपा अपनी अंदरुनी फूट पर कितना काबू कर पाती है। इसी पर राजस्थान में भाजपा की अगली सरकार बनने का भविष्य टिका है।

धमोरा

रोड नहीं तो वोट नहीं
फलिये से सड़क तक पहुंचने में करना पड़ती है भारी मशक्कत
बारिश में टूट जाता है संपर्क

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड पेटलावद में भाजपा के विकास के दावों की पोल एक बार फिर खुली है। यहां तहसील मुख्यालय से लगी दुलाखेड़ी पंचायत के लगभग आठ सौ ग्रामीण फलिये से मुख्य मार्ग तक आने के लिए वर्षो से संधर्ष कर रहे है। बारिश के मौसम में इन ग्रामीणों की परेशानी इतनी बड़ जाती है कि, न तो स्कूल के बच्चे और न ही गर्भवती महिलाये, न ही बीमार, बुजुर्ग इस मार्ग से कही आ जा नही सकते। मंगलवार को मगरिया फलियां ग्राम पंचायत दुलाखेड़ी के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में पहुँच कर अपनी मांग को लेकर आवेदन दिया है।

ग्रामीणों ने कहा कि, इस बार अगर रोड नही तो वोट नही देगे। ग्रामीणों ने हमारे फलिये में पहुचने के लिये दुलाखेड़ी-पेटलावद मुख्य मार्ग से होकर अन्दर ढेड से दो किलोमीटर अन्दर जाना पड़ता है, जिसके लिये कच्चा मार्ग बना हुआ है जो की मार्ग पुरी तरह से जर्जर होने से मार्ग पर चलना भी मुश्किल हो जाता है। मार्ग पर तीन से चार नाले बने हुए है जहाँ पुलिया नहीं होने से बारिश के समय थोडा सा भी पानी आने पर मार्ग बंद हो जाता है। ग्राम पंचायत से उक्त मार्ग के निर्माण की मांग करने पर लोक निमार्ण विभाग मे मार्ग जुड़ना बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। जिससे ग्रामीण परेशान होकर प्रशासन के पास आवेदन लेकर पहुँचे।

देश में आज़ादी के अमृतकाल का जश्न मन रहा है लकिन अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक अब तक हमारी व्यवस्था आज तक नही पहुँच सकी।

रोड नहीं तो वोट नहीं, चुनाव के बाद नही आते नेता

फलिये के ग्रामीणों ने स्प्ष्ट कहा कि, विगत 20 वर्षों से हम रोड के लिए परेशान है ओर चुनाव के समय आने वाले नेता वापस पलट कर नही आते। फलिये के बुजुर्ग ओर युवा मतदाताओं ने कहा कि, इस बार रोड नही तो वोट नही और चुनाव के समय नेताओं को फलिये में आने तक नही देगे। फलिये के पप्पू पारगी ने कहा कि, हम लम्बे समय से परेशान हैं हमारे फलिये में कई प्रकार की सुविधाएं आज तक नही हुई। जबकि ग्राम पंचायत के माध्यम से सरकार विकास के दावे कर रही है जो सही नही है।

शुभ मुहूर्त में भाई को बहन ने बांधी रेशम की डोर
बाजार में भारी भीड़, बहनों ने खरीदी राखियां तो भाइयों ने लिए उपहार

माही की गूंज, सारंगी।

भाई-बहन के पवित्र प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन बुधवार को श्रावणी पूर्णिमा पर मनाया। शुभ मुहूर्त में बहने अपने भाई की कलाई पर रेशम की डोर बांधकर उनके दीर्घ जीवन की कामना की। भाई ने रक्षा का वचन देकर उन्हें उपहार भेंट किए। भारतीय संस्कृति के अनूठे पर्व को लेकर मंगलवार को ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की भीड़ रही और जमकर ग्राहकी हुई जिसमें व्यापारियों के चेहरे खिल उठे। ग्राम के मुख्य बाजार बस स्टैंड, सदर बाजार, रतलाम रोड पर सुबह से ही रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर रौनक छाई रही। बहनों ने राखी, मिठाई, वस्त्र, सौंदर्य प्रसाधन आदि की खरीदारी की, दिनभर व्यापार अच्छा रहा। पूरे बाजार में जगह-जगह राखी की दुकानें सजी नजर आईं। इस बार भी देसी राखियां ही मार्केट में नजर आई, अधिकांश व्यापारी गुजरात- इंदौर, अहमदाबाद से राखी खरीद कर लेकर आए हैं। इधर ग्राम के मिष्ठान भंडारों में भी खासी भीड़ नजर आई। वस्त्र, कॉस्मेटिक की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई। भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनों में काफी उत्साह नजर आया। गिफ्ट शॉप, रेडी मेड गारमेंट्स, कपड़ा व्यापारी और साड़ियों की दुकानों से लेकर मिठाइयों की दुकान पर बहनों की भीड़ जमा हुई। ग्राम के सभी मंदिरों में दर्शन की भीड़ रही। खेड़ापति हनुमान जी एवं इमली चौक कान्हा जी मंदिर पर विशेष श्रृंगार किया गया।

संस्कार और सभ्यता की भाषा है संस्कृत- मोहन डामर

माही की गूंज, पेटलावद।

संस्कृत भाषा वेद पुराणों की भाषा है, संस्कृत जीवन में सदविचारो का निर्माण करती है। संस्कृत संस्कार और सभ्य भाषा है। यह बात संस्कृत भारती के विभाग सहसंयोजक मोहन डामर ने संस्कृत सप्ताह की शुरुआत में कही। संस्कृत भारती झाबुआ द्वारा संस्कृत सप्ताह का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और मां भारती के चित्र पुजन और माल्यार्पण के साथ की गई। कार्यक्रम में उपस्थित संस्कृत शिक्षक कृष्णकांत शुक्ला ने बताया कि, संस्कृत देव भाषा है। मुख्य रूप से यह हमारी मातृभाषा है। सब भाषाओं की जननी संस्कृत को माना गया है। संस्कृत के बिना विज्ञान भी अधूरा है। मातृभाषा के इस सप्ताहिक आयोजन को मानना हर्ष का विषय है। गायत्री परिवार के जीवन कुमार भट्ट, जिला प्रचार प्रमुख राहुल बैरागी, महेंद्र अग्रवाल, अशोक बावनिया, दुर्गेश पांचाल आदि ने संस्कृत पर विचार व्यक्त किए। इस दौरान संस्कृत अनुरागी विकास, अमरसिंह गणावा, रमेश खडिया उपस्थित रहे। 27 अगस्त से 3 सितंबर तक संस्कृत सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान संस्कृत भारती झाबुआ द्वारा संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिवर्ष अनुसार श्रावण शुक्ल की एकादशी को संस्कृत सप्ताह का प्रारम्भ किया जाता है। वही भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी तक रहता है। गायत्री मंदिर पेटलावद से संस्कृत सप्ताह की शुरुआत की गई।

छात्राओं ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

माही की गूंज, थांदला।

नगर के पुलिस थाने पर अणु पब्लिक स्कूल की ओर से रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। विद्यालय की छात्राओं ने थाने में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रविन्द्र राठी, थाना प्रभारी राजकुमार कुन्सारीया एवं समस्त थाना स्टॉफ को रक्षा सूत्र बांध कर मिठाई और नारियल भेंट किया।

थाना अधिकारी ने बालिकाओं से वादा किया कि, पुलिस सदैव उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। बच्चों को एसडीओपी रविन्द्र राठी, थाना प्रभारी राजकुमार कुन्सारीया एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने कार्यो के विषय में जानकारी प्रदान की गई। थाना प्रभारी ने बच्चों को थाना प्रांगण में भ्रमण कर जैल, एफआईआर, हथियार आदि अन्य गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। संस्था प्रमुख प्रदीप गादिया ने कहा कि, पुलिसकर्मी पर हम सभी को गर्व है जो हमें हर पल सुरक्षित होने का अहसास दिलाते है। समाज की सुरक्षा बिना पुलिस विभाग के संभव नहीं हैं। पुलिस कर्मी हमारे समाज की सुरक्षा के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करतें हैं। प्राचार्य प्रमोद नायर ने कहा कि, विद्यालय में प्रतिवर्ष ऐसी गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, जिसमें हॉस्पिटल विजिट, पुलिस थाना, पोस्टऑफिस इत्यादि शामिल है। इस आयोजन से बच्चों में काफी उत्साह एवं उमंग दिखाई दे रहा है। इसके पश्चात अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रविन्द्र राठी, थाना प्रभारी राजकुमार कुन्सारीया द्वारा थाना प्रांगण में संस्था प्रमुख प्रदीप गादिया एवं प्राचार्य प्रमोद नायर के साथ चंद्रयान 3 की सफलता के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण भी किया गया। आभार हर्ष गादीया ने व्यक्त किया।

महिला की मौत: परिजनों ने लगाया आरोप

माही की गूंज, थांदला।

मां हॉस्पिटल में महिला की मौत की खबर पता चलते ही परिजन अस्पताल के बाहर एकत्र हो गए और डॉक्टर पर लापरवाही करने व महिला की स्थिति गंभीर होने की बात समय पर नहीं बताने का आरोप लगाया। सुजापुरा निवासी दिनेश मावी ने बताया कि, मेरी पत्नि गुड़ी को बुखार आने पर मां अस्पताल में रविवार सुबह भर्ती कराया था मेरी पत्नी को सात माह का गर्भ था अस्पताल में मेरी पत्नी की सोनोग्राफी की गई। डॉक्टर हितेश द्वारा मुझे बताया गया कि, मेरी पत्नी के शरीर में खून की कमी है खून की व्यवस्था करना पड़ेगी। मे, मेघनगर जीवन ज्योति अस्पताल जाकर एक बोतल खून लेकर आया जो कि, मेरी पत्नी को चढ़ाया भी नहीं गया। रविवार रात साढे 11 बजे करीबन डॉक्टर ने मुझे बताया कि, मेरी पत्नी की तबीयत ज्याद बिगड़ रही है उसे और कहीं ले जाना पड़ेगा। रात्रि में वाहन की व्यवस्था होने तक मेरी पत्नी ने दम तोड़ दिया।

मृतक गुड्डी के पहले से है तीन बच्चे

वहीं अस्पताल संचालक डॉक्टर हितेश का कहना है कि, लहपरवाही जैसी कोई बात नहीं है। बुखार आने पर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था महिला की स्थिति गंभीर होते देख परिजनों को और कहीं और ले जाने की बात कही थी, पर परिजनों ने यही इलाज करने की बात कहीं।,

एक ही सप्ताह में नगर के निजी अस्पताल में मौत का यह दूसरा मामला सामने आया है। जिसकी जांच करने जिला स्वास्थ अधिकारी डॉ अजय मिश्रा व बीएमओ डाबर अपनी टीम के साथ पहुच कर बयान लिए व पचनामा बनाया।

क्या कहते हैं अधिकारी

डॉ अजय मिश्रा सीएमएचओ झाबुआ ने कहा कि, उपचार के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हुई है। जिसकी जांच हमारे द्वारा की जा रही है जांच पूर्ण होने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस थाने पहुंच, छात्राओं ने बांधे रक्षा सूत्र

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी फिजिक्स कोचिंग क्लासेस पेटलावद की छात्राओं द्वारा अपना रक्षाबंधन पर्व पुलिस थाना पेटलावद में पुलिस जवानों की सुनी कलाइयों पर रक्षासूत्र बांध कर मनाया। जो पूरे साल हमारी सुरक्षा के लिए अपने त्योहारों का त्याग कर देते है। पुलिस जवानों की कलाइयां सुनी ना रहे इसी प्रण के साथ फिजिक्स कोकिंग क्लास पेटलावद प्रतिवर्ष पुलिस जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाता आया है। ये 11वा रक्षाबंधन त्योहार फिजिक्स कोचिंग क्लास पेटलावद की छात्राओं ने पुलिस जवानों के साथ मनाया है। थाना प्रभारी और स्टाफ ने कोचिंग की छात्राओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर कोचिंग संचालक महेंद्र सिंह सोलंकी के साथ युवा करियर एकेडमी के संचालक राजेश पटेल, हिंदु महासभा जिलाध्यक्ष दीपक काग, किसान यूनियन जिला अध्यक्ष महेंद्र हामड मौजूद रहे।

संपादकीय

आत्मघाती का कोचिंग कोटा

बीते रविवार फिर दो छात्रों ने कोचिंग नगरी कोटा में आत्महत्या कर ली। दूर-दराज के शहरों से अपने सपनों व परिवार की उम्मीदों को परवान चढ़ाने आए ये मासूम क्यों आत्मघाती कदम उठा रहे हैं, इसकी गंभीर पड़ताल अभी बाकी है। यह भयावह ही है कि डॉक्टरी व इंजीनियरिंग में प्रवेश की गारंटी देने वाले कोटा में जनवरी से अब तक 24 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह महज एक आंकड़ा नहीं है, उन परिवारों के दुख को महसूस करने की जरूरत है जिन्होंने अपने बच्चे खोये हैं। सवाल यह है कि खेलने-खाने की उम्र में ये बच्चे मौत को गले क्यों लगा रहे हैं...? कहते हैं कि कुकरमुत्तों की तरह उग आए कोचिंग संस्थान लगातार परीक्षाओं का दबाव बनाते हैं और कम नंबर आने पर छात्र अवसादग्रस्त हो जाते हैं। तभी राजस्थान सरकार ने अगले कुछ समय के लिये कोचिंग संस्थानों में परीक्षाएं लेने पर रोक लगाई है। दरअसल, देश में कोचिंग संस्थानों का ऐसा मकड़जाल फैला है कि उसका कोई आदि-अंत नहीं है। महंगी फीस तथा तरह-तरह के शुल्क अभिभावकों की कमर तोड़कर रख देते हैं। सुनहरे सपनों की आस लेकर कोटा आए बच्चे इस बात को महसूस करते हैं कि उनके परिजन उन्हें अपना पेट काटकर पढ़ा रहे हैं। एक ईमानदार नौकरीपेशा या सामान्य आदमी की इतनी बचत कहां होती है कि कोचिंग संस्थानों की लाखों की फीस भर सके। मध्यम व निम्न मध्यवर्गीय परिवारों के ये छात्र छोटी-छोटी परीक्षाओं में विफलता से घबरा जाते हैं कि वे परिवार को क्या जवाब देंगे। उनके सुनहरे सपनों का क्या होगा। दूर-दराज के कस्बों और गांवों से आये छात्र लगातार इस दबाव में पढ़ाई करते हैं। कहीं न कहीं इस गलाकाट स्पर्धा के दौर में ये छात्र खुद को समायोजित नहीं कर पाते और टूटकर बिखर जाते हैं। दूसरे हिंदी व अन्य भाषीय माध्यमों से आने वाले बच्चे कॉन्वेंट स्कूलों से आये प्रतियोगियों का मुकाबला नहीं कर पाते। अपनी ऊर्जा उन्हें पहले अंग्रेजी सीखने में खर्च करनी पड़ती है। वे खुद को पिछड़ा महसूस करने लगते हैं।

दरअसल, इस विकट समस्या को जिस तरह सतही तौर पर निबटाया जा रहा है, वह समाधान कदापि नहीं है। संवेदनहीन राजनीति के बेतुका बयान स्थिति को जटिल ही बनाते हैं। रविवार की घटना के बाद राजस्थान के शीर्ष राजनेता का कहना था कि यह समस्या कोटा की नहीं, देशव्यापी है। दूसरी तरफ आत्महत्याओं को रोकने के लिये छात्रावासों व पीजी के कमरों में सिंप्रग-लोडेड पंखे और बालकनियों में लोहे के जाल लगाना बेतुका उपाय कहा जायेगा। इस समस्या को संवेदनशील ढंग से देखने की जरूरत है। दरअसल, भारतीय समाज में इंजीनियर व डॉक्टर बनने की ऐसी भेड़चाल है कि मान लिया जाता है कि जो ये न बन सका उसका जीवन व्यर्थ है। इस भेड़चाल के चलते अब छात्र मानवीकीय विषयों से परहेज करने लगे हैं। दरअसल, कला के विषय छात्रों का सर्वांगीण विकास करते हैं। उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं। उन्हें जीवन के व्यापक अनुभव इन विषयों से मिलते हैं। हमें मनोवैज्ञानिक तौर पर छात्रों को तैयार करना चाहिए कि वे किसी बात पर हताश होकर आत्मघाती कदम न उठायें। उन्हें मनोवैज्ञानिक ढंग से समझाने की जरूरत है कि परीक्षा में असफल होना जीवन का अंत नहीं है। बल्कि उनके सामने तमाम विकल्प हैं। यह भी कि जीवन से महत्वपूर्ण कोई परीक्षा नहीं होती। कोटा के प्रशासन को यहां पढ़ने आने वाले छात्रों को लगातार परामर्श देना चाहिए ताकि वे तनाव से बिखरकर टूटे नहीं। साथ ही देश में सरस्वती के मंदिरों के कारोबार के केंद्रों में तब्दील होने की पूरी पड़ताल होनी चाहिए। इनके पाठ्यक्रम व फीस का नियमन होना चाहिए। किसी भी संस्थान को विशुद्ध व्यापारिक रवैया अपनाकर परिजनों के जीवन की पूंजी और छात्रों के जीवन से खिलवाड़ की अनुमति कदापि नहीं दी जानी चाहिए। दरअसल, इस समस्या का समाधान शासन-प्रशासन, अभिभावकों तथा कोचिंग संस्थानों को मिलकर निकालना होगा। समस्या के सामाजिक, मानसिक व आर्थिक पक्षों पर सूक्ष्म स्तर पर विचार जरूरी है।

जनतंत्र की सेहत हेतु हो सकारात्मक राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

वर्ष 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ था। इसके बाद चार-पांच चुनाव तो 5 साल के निर्धारित अंतराल पर हुए और चुनाव-प्रचार का काम भी इसी के अनुसार हुआ, पर इसके बाद सिलसिला बिगड़ने लगा। राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होने लगे, प्रचार-कार्य भी उसी के अनुसार हुआ, और अब तो स्थिति यह बन गयी है कि देश की समूची राजनीति चुनाव-केंद्रित ही नहीं हो गयी है, बल्कि राजनीतिक दलों के नेताओं के सारे भाषण चुनावी लगने लगे हैं। संसद के हाल के सत्र में प्रधानमंत्री का लगभग दो घंटे का भाषण और लगभग इतने ही समय का स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से दिया गया उनका राष्ट्र के नाम संदेश कुल मिलाकर चुनावी-भाषण ही बनकर रह गये थे।

संसद का भाषण विपक्ष द्वारा रखे गए अविश्वास प्रस्ताव के जवाब में दिया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा अपनी सरकार का बचाव करना स्वाभाविक था। पर बचाव के साथ विपक्ष पर जो हमले किये गये, उन्होंने पूरे भाषण को चुनावी बना दिया था। यह अविश्वास प्रस्ताव मुख्यतः मणिपुर की त्रासदी के संदर्भ में रखा गया था और प्रधानमंत्री की इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ने के लिए विपक्ष को यही एक तरीका सूझा था। प्रधानमंत्री बोले तो सही पर लगभग दो घंटे के लंबे भाषण के अंत में ही कुछ मिनट मणिपुर के मुद्दे तक पहुंचने में उन्होंने इतना समय लगाया कि विपक्ष निराश होकर सदन से बाहर जा चुका था। बेहतर होता कि विपक्ष यह बहिर्गमन नहीं करता। बहरहाल, इसके कुछ ही दिन बाद स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण की शुरुआत मणिपुर की त्रासदी से करके प्रधानमंत्री ने जैसे कोई ग़लती सुधारने की कोशिश की थी। पर यह अवसर राष्ट्र के नाम संदेश देने का था। प्रधानमंत्री के लिए भी यह बेहतर होता यदि वे अपने इस भाषण को चुनावी-भाषण न बनने देते।

चुनाव जनतंत्र का उत्सव होते हैं। इस उत्सव की गरिमा बनी रहनी चाहिए। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों को एक-दूसरे की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, और ज़रूरी भी है यह आलोचना, पर दुर्भाग्य की बात यह है कि पिछले एक अर्से से, कहना चाहिए, पिछले कुछ चुनाव से यह आलोचना कई बार मर्यादाएं लांघ जाती है। विरोधियों की रीति-नीति पर हमला करना कतई ग़लत नहीं है, और अपना बचाव करना भी उतना ही सही है, लेकिन विरोधी पूरा ग़लत है और मैं पूरा सही हूं, वाली यह रणनीति सहज गले नहीं उतरती। आत्मविश्वास और आत्मश्लाघा में एक अंतर हुआ करता है, बड़े नेताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इनके बीच की सीमा-रेखा का ध्यान रखेंगे।

बहरहाल, प्रधानमंत्री के इन दो भाषणों ने 2024 में होने वाले आम चुनाव की राजनीति-रूपरेखा देश के सामने रख दी है। विपक्ष ने इन भाषणों में 'दंभ' देखा है और राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसे 'अतिविश्वास' कहा है। ये दोनों बातें देश की मौजूदा राजनीति के स्तर का संकेत देने वाली हैं। ऐसा नहीं है कि सत्तारूढ़ पक्ष ही इस घटते स्तर के लिए ज़िम्मेदार है, अक्सर विपक्ष भी मर्यादा का उल्लंघन कर जाता है, लेकिन सत्तारूढ़ दल का दायित्व अधिक होता है।

जनतांत्रिक परंपराओं और मर्यादाओं का तकाज़ा है कि राजनीति छिछली आलोचनाओं से ऊपर उठकर हो। एक वाक्य हमारे राजनेता अक्सर कहते हैं 'मैं पूरी ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ यह कहना चाहता हूं...' और फिर इसके आगे जो कुछ कहा जाता है वह अक्सर खोखले वादों और झूठे दावों का उदाहरण होता है। चुनावी भाषण तो अक्सर ऐसे होते हैं, पर हर भाषण को चुनावी बना देना भी तो सही नहीं है। नेताओं को, खासतौर पर सत्तारूढ़ पक्ष के राजनेताओं को अधिक संयम बरतने की आवश्यकता होती है।

इसी वर्ष मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। फिर उसके कुछ अर्सा बाद ही 2024 में आम-चुनाव होंगे। जैसा कि स्पष्ट दिख रहा है, इनके लिए प्रचार-कार्य शुरू हो चुका है। संबंधित सरकारें अपनी उपलब्धियों के ढिंढोरे पीट रही हैं। मीडिया में विज्ञापन पर अंधाधुंध खर्च हो रहा है। 'रेवड़ियां' बांटने में कोई पीछे नहीं रहना चाह रहा। दावों और वादों के ढेर लग रहे हैं। आधारहीन गारंटियां दी जा रही हैं। ज्यों-ज्यों चुनाव नज़दीक आते जायेंगे, इन कथित गारंटियों की गति भी तेज होती जायेगी। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी और तेज़ी से लगेंगे। इन सबसे क्या और कितना चुनावी लाभ होता है, यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर इतना तय है कि प्रचार का स्तर पिछले चुनावों से और अधिक नीचे ही जायेगा।

जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वालों को निश्चित रूप से यह सब पीड़ादायक ही लगता होगा। एक बात जो हमारे राजनेताओं और राजनीतिक दलों को समझनी होगी, वह यह है कि मतदाता को हमेशा नहीं बरगलाया जा सकता। 'यह पब्लिक है सब जानती है'। नारे और दावे अच्छे लगते हैं, पर यह कतई ज़रूरी नहीं है कि मतदाता इससे बहल ही जाये। इसी तरह सारी कमियों के लिए अपने विरोधी को ही दोषी ठहराना भी उचित रणनीति नहीं कही जा सकती। अब, जैसे भाजपा देश की सारी समस्याओं के लिए पिछली कांग्रेसी सरकारों को ही उत्तरदायी ठहराने में लगी है, इसी तरह, सारी उपलब्धियां वह अपने खाते में जमा करती है। एक चुटकुला-सा चल रहा है सोशल मीडिया पर कि देश का पहला प्रधानमंत्री देश के चौदहवें प्रधानमंत्री को काम नहीं करने दे रहा!

हमारी राजनीति को इस प्रवृत्ति से बचना ही होगा। आज देश जो कुछ कर पाया है, उसमें पहले से लेकर चौदहवें प्रधानमंत्री तक सबका योगदान है। सबके इस योगदान को स्वीकारना होगा। यह कैसे कोई समझ सकता है कि कल तक सब ग़लत ही हुआ था, और जो सही हो रहा है, वह आज ही हो रहा है? कल जो ग़लत हुआ उसे सही करना ही तो आज का काम है। कल जो नहीं हो पाया, उसे आज कर पाना ही तो आज की उपलब्धि है।

चुनावी माहौल में दावे और वादे किये जाते हैं। विरोधी की कमजोरियों को भी उजागर किया जाता है। पर जुमलेबाजी घटिया राजनीति का ही उदाहरण है और स्वस्थ जनतंत्र में स्तरहीन राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। स्वस्थ जनतंत्र स्वस्थ राजनीति की मांग करता है। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण को हथियार बनाना भी गलत नहीं है, पर दूसरे पर उंगली उठाते समय हमें यह भी समझ लेना चाहिए कि ऐसे में तीन उंगलियां हमारी अपनी ओर उठ रही हैं। सकारात्मक राजनीति जनतंत्र के स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण शर्त है, इस शर्त की अवहेलना नहीं होनी चाहिए।

घूसखोरी के आरोप में ईडी के 5 अधिकारी हिरासत में

सनत कुमार जैन

सीबीआई ने दिल्ली शराब घोटाले के एक मामले में ईडी के पांच अधिकारियों के ऊपर 5 करोड रुपए की घूस लेने के आरोप में मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इस मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक और 6 अन्य अधिकारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इन सभी दोषी अधिकारियों को हिरासत में ले लिया है। हालांकि सीबीआई ने अभी तक गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।जिन अधिकारियों को सीबीआई ने अपनी हिरासत में लिया है। उनके नाम सहायक निदेशक पवन खत्री,ईडी में अपर डिवीजन क्लर्क नीतेश कोहर, एयर इंडिया के सहायक महाप्रबंधक दीपक सांगवान, अमनदीप सिंह ढल ,वीरेंद्र पाल सिंह, चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार वत्स तथा क्लेरिज होटल और रिजार्ट के सीईओ विक्रमादित्य को हिरासत में लिया है।

सीबीआई के अधिकारी इन सभी लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। इन सभी के ऊपर 5 करोड रुपए घूस में लेने का आरोप है। दिल्ली के शराब घोटाले में ईडी के इन अधिकारियों ने अपने पद और प्रभाव का उपयोग करते हुए ,दोषियों को बचाने के लिए यह रिश्वत ली थी।

पहली बार ईडी के अधिकारी रिश्वत लेने के मामले में सीबीआई की हिरासत में आए हैं। ईडी के कानून इतने सख्त हैं, कि एक बार इसमें यदि गिरफ्तारी हो जाती है, तो सालों इसमें जमानत नहीं होती है। ईडी के अधिकारियों का खौफ इतना ज्यादा हो गया है। लोग गिरफ्तारी से बचने के लिए ईडी के अधिकारियों की हर बात को मानने के लिए विवश होते हैं। ईडी की कार्रवाई में बड़े-बड़े मंत्री और अधिकारी कई महीना और सालों से जेल की सलाखों के पीछे बंद हैं। इसके बाद से ईडी का इतना जबरदस्त भय हो गया है। ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए न्यायाधीशों, बड़े-बड़े अधिकारियों, बड़े-बड़े राजनेता तथा अपराधी ईडी के नाम से थर-थर कांपने लगते हैं। इसी भय का लाभ उठाकर ई डी के अधिकारी अब बेखोफ होकर वसूली में लग गए हैं। पहली बार सीबीआई ने इस मामले का खुलासा किया है। ईडी के अधिकारी पहली बार रिश्वत के आरोप में सीबीआई की हिरासत में आए हैं।जिसकी प्रतिक्रिया देश भर में बड़े पैमाने पर हो रही है। ईडी के निदेशक संजय मिश्रा 15 सितंबर को सेवानिवृत हो जाएंगे। सरकार उन्हें सीबीआई और ईडी का सीईओ बनाने जा रही है। केंद्र सरकार का यह स्पेशल पद होगा। उनके निर्देश पर दोनों संस्थाओं के निदेशक काम करेंगे। जब यह संस्थाएं इतनी पावरफुल है। तब एक ही व्यक्ति द्वारा यदि दोनों संस्थाएं संचालित होंगी। इसको लेकर देशभर में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी हैं। ईडी का इस समय जो ख़ौफ़ देखने को मिल रहा है। विशेष रूप से न्यायपालिका,कार्यपालिका राजनेताओं, कारोबारियों के बीच में ईडी की जो दहशत बनी है। उसने सभी की बोलती बंद करके रखी है। अब तो यह भी कहा जा रहा है, कि आपातकाल से ज्यादा खौफ ईडी का देश में बन गया है। ईडी जो चाहे, वह करा सकती है। संजय मिश्रा इस समय देश के सबसे शक्तिशाली जांच संस्था के अधिकारी हैं। इनसे सभी भय खाते हैं।

नटवरलाल ने भगवान को चकमा दिया

विनोद तकियावाला

धन्य धन्य वह घरा, जहाँ पतित पावनी गंगा निरंतर,निर्विघ्न निर्मल धारा बह रही है। ऐसी पवित्र को मानव ही रही वरन अनेको संत महापुरुषों नें अवतरित हो जनकल्याण किया है। चाहे वह राम, कृष्ण, कबीर नानक, बुद्ध, महावीर व अन्य संत, महापुरुषों के द्वारा वेद, उपनिषद गीता आदि गंथो का निर्माण कार्य गया। तभी तो भारत को अध्यात्म का देश कहा जाता है। यह अटुट आस्था समपर्ण सेवा त्याग तपर्ण की तपोभुमि में है। हमारे यहाँ अनेकों धर्म सम्प्रदाय के पवित्र पुजा आराध्य स्थलों के मन्दिर, मस्जिद, मठ, गुरुद्वारे, चर्च का निर्माण श्रद्धालुओं द्वारा किया जाता रहा है। जिसके रख रखाव हेतू प्रबन्धन समिति बनाई जाती है। जो सम्पूर्ण व्यवस्था करती है।धार्मिक स्थलों का रख रखाव का व्यय श्रद्धालुओ द्वारा अपने आराध्य के चरणों अपनी श्रद्धाभक्ति व सार्मथ्य के अनुरूप चढाव के रूप फल प्रसाद के आलावे नकदी, आभूषण सोने- चाँदी, हीरे-मोती तक चढावे के रूप में चढाया करते रहते है। उदाहरण स्वरूप कुछ मन्दिरों में चढावे की झलक इस प्रकार है।

महाकालेश्वर मंदिर 200 करोड़ रुपए का चढ़ावा आया था, खाटू श्याम की मूर्ति निकलने के बाद भक्तों की भीड़ लगने लगी है। खुदाई में निकली खाटू श्याम की मूर्ति,कुछ ही घंटे के अन्दर डेढ़ लाख का चढ़ावा आ गया था। साई बाबा मंदिर शिरडी में हर वर्ष 400 करोड़ तक का चढ़ावाआता है। नए साल पर सारे रिकॉर्ड टुट गये थें। आज हम किसी मन्दिर, मठ के चढावे के अपने नाम रिकार्ड बनाने के नाम का नही है बल्कि एक ऐसे नटवर लाल ठग की कहानी बताने जा रहे है। जिसने अपने बुद्धि से ना केवल मन्दिर में विराजमान देवी देवताओं को ऐसे चकमा दिया जिससे मन्दिर प्रबन्धन के नींद उढ़ा कर रख दिया।आप सोच रहे होगे कि अब किस मन्दिर में भगवान के आभुषण सोने-चाँदी, हीरे मोती या नकदी को ले कर चोर रफ्फु चक्कर हो गया है। ये खबर तो किसी समाचार माध्यम से आप तक नही पहुँच पाई। आप को लग रहा होगा कि मै आप कोई बुरी खबर से अवगत करवाने वाला हुँ। तो आप बिलकूल गलत है क्या! अरे आप थोड़ी सी धर्य रखे। मै आज आप के समझ ऐसे चुतर चालाक कलयुगी दानवीर भक्त के सातिर करनामे के बारे में बताने जा रहे है। जिसे सुनकर आप के न केवल होश उढ़ जायेगे, बल्कि आप सोचने को मजबुर हो जायेगे कि कैसे कैसे लोग है। इस संसार में जो इंसान क्या भगवान तक को चुना लगाने से बाज नहीं आते है। खैर अब आप को परेशान ना करते हुए हम सीधे घटना पर आते है।दरअसल, यह मामला विगत दिनों की है। विशाखापट्टनम के सिम्हाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम मंदिर का है। मंदिर में मौजूद दान पात्र में आए चढ़ावे को देखा जा रहा था। इसी दौरान मंदिर प्रबंधन को नोटों के बीच एक चेक मिला। चेक में 100 करोड़ रुपए की राशि लिखी हुई थी। इसे देखकर मंदिर प्रबंधन में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके बाद चेक को कैश कराने के लिए मंदिर प्रबंधन के लोग बैंक में पहुंचे और चेक को कैश करने के लिए दे दिया। कोटक महिंद्रा बैंक के इस चेक को जब बैंक वालों ने चेक जिस खाते से सम्बन्धित था। उसे चेक किया। इसे देख के बैंक के कर्मचारी व मंदिर प्रबंधन के होश उड़ गए।क्योंकि चेक तो 100 करोड़ रुपए का था, लेकिन उससे संबंधित खाते में मात्र 17 रुपए मौजूद थे। यह खबर आग की तरफ फैल गई। परिणाम स्वरूप इस चेक का फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग चेक डालने वाले को लेकर तरह-तरह की बात कर रहे हैं। किसी ने ठीक ही कहा है इस संसार में भाँति भाँति तरह के लोग है। कोई भगवान के दरवार में आकर अपना सबकुछ निछावर कर देता है। कुछ लोग मन्दिर में बैठे देवी देवताओं को भी चकमा दे कर रफ्फुचर हो जाते है। तभी तो किसी नें सही कहा है- ÷जाकी रही भावना जैसी, प्रभु नजर आई तिन तेसी।÷

वैश्विक आर्थिक संकट में भारत के लिए अवसर

जयंतीलाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में चुनौतियों और उथल-पुथल के दौर के बीच भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इस समय एक मजबूत आर्थिक देश के रूप में भारत दुनिया के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा मिशन-मोड में किए जा रहे सुधारों से भारत में कारोबारी सुगमता में वृद्धि हुई है। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और देश में 100 से अधिक यूनिकार्न हैं। साथ ही जल्द ही भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर दुनिया के लिए विकास का इंजन बन जाएगा।

गौरतलब है कि 23 अगस्त को प्रकाशित एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक इस समय लड़खड़ाती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भयावह काले बादल छाए हुए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 2023 में लगभग 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर संभावित की गई है। यह अगले वर्ष 2024 में और घटकर 2.4 फीसदी रह सकती है। यदि हम वैश्विक परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि पिछले वर्ष के दौरान तेजी से मौद्रिक नीति सख्त होने से वैश्विक आवास, बैंक ऋण और औद्योगिक क्षेत्र में कमजोरी आई है।

स्पष्ट है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के हालात चुनौतीपूर्ण हैं। चीन, अमेरिका और जापान जैसी अर्थव्यवस्थाओं से भी चिंताजनक संदेश हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन की अर्थव्यवस्था को एक ऐसे टाइम बम की संज्ञा दी है, जो कभी भी फट सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब बुरे लोगों को दिक्कत होती है तो वे बुरे काम करते हैं। दुनिया की वित्तीय एजेंसियां यह टिप्पणी कर रही हैं कि लगता है कि चार दशक से विकास कर रहे चीन के लिए अब अवसान का समय आ गया है।

खासतौर से चीन की अर्थव्यवस्था से वैश्विक आर्थिक जोखिमें उभरती जा रही हैं। वित्त वर्ष 2023-24 की डगर पर चीन की अर्थव्यवस्था निराशाओं और मुश्किलों से घिरी हुई है। कोविड-19 की सुस्ती के बाद चीन की अर्थव्यवस्था के द्वारा रफ्तार पकड़ने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया है। चीन के बाजार में सुस्त उपभोक्ता खर्च, निर्यात में गिरावट, बड़ी-बड़ी कंपनियों का दिवालियापन, युवाओं में बेरोजगारी से निराशा का बनता नया रिकॉर्ड, बढ़ते सरकारी ऋण, घरेलू मांग में कमी, फूड से लेकर मकानों के मूल्यों में भारी गिरावट, कारोबारी गतिविधियों का धीमी होना, निवेशकों के चेहरे पर निराशाएं, मांग की तुलना में अधिक उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा की चिंता में अधिक बचत की प्रवृत्ति के कारण बाजार में खरीदी में कमी जैसी जटिल स्थितियों के बीच अब चीनी अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के रास्ते सीमित हो गए हैं।

जहां चीन में इस समय मुद्रा संकुचन (मनी डिफ्लेशन) की स्थिति है, वहीं अमेरिका में मुद्रास्फीति (मनी इनफ्लेशन) की स्थिति है। अमेरिका मार्च, 2022 से अब तक 11 बार ब्याज दरों में इजाफा करने के बाद भी मुद्रास्फीति का सामना कर रहा है। अमेरिका असाधारण ऋण से भी गुजर रहा है। पिछले तीन वर्षों में उसके कर्ज में करीब 8 लाख करोड़ डॉलर का इजाफा भी हुआ। परिणामस्वरूप रेटिंग एजेंसी फिच ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को एए प्लस से कम करके एएए कर दिया है। जापान में भी हालात अच्छे नहीं हैं। जापान में मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है। जापान में इसके लिए खाद्यान्न, ईंधन और टिकाऊ वस्तुओं की ऊंची कीमतें उत्तरदायी हैं। डॉलर के मुकाबले येन की कीमत में भारी गिरावट आई है।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न नई वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति वाली होगी। भारत की विकास दर 2023 में 5.9 फीसदी व 2024 में 6.1 फीसदी अनुमानित है। दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में आर्थिक वित्तीय सुधारों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे में तेज वृद्धि की अहम भूमिका है। भारत बौद्धिक सम्पदा, शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में विकास को अपनी मुट्ठियों में कर रहा है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। कारोबार सुगमता के लिए नई लॉजिस्टिक नीति, महत्वाकांक्षी गति शक्ति योजना और नई विदेश व्यापार नीति (एफडीपी) द्वारा नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त किए जाने की अहम भूमिका है।

भारत में उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए चलाए गए विशेष अभियान मील का पत्थर बनते जा रहे हैं। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक आर्थिक साख की सफलता है कि आरबीआई ने जुलाई, 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव किया था। अगस्त, 2023 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ आयातित कच्चे तेल का भुगतान रुपये में करने की शुरुआत के बाद अफ्रीकी देशों सहित कई देशों ने रुपये में कारोबार के लिए सकारात्मक रूप दिखाया है।

यद्यपि दुनियाभर में भारत सबसे तेज और आकर्षक अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में रेखांकित हो रहा है। लेकिन हमें देश की नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गति शक्ति योजना की अभूतपूर्व रणनीतियों से भारत को आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में तेजी से आगे बढ़ाना होगा। शोध और नवाचार पर व्यय बढ़ाया जाना होगा। शिक्षा और कौशल उन्नयन पर उच्च निवेश करना होगा। दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत को बड़ी संख्या में युवाओं को डिजिटल कारोबार के दौर की और नई तकनीकी योग्यताओं से सुसज्जित किया जाना होगा। जहां हमें भारत-अमेरिका के बीच निर्मित नई साझेदारी का पूरा लाभ लेना होगा, वहीं दुनिया के विभिन्न देशों के साथ शीघ्रतापूर्वक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा। हमें यह बात भी ध्यान में रखना है कि चीन की आर्थिक कमजोरी भी भारत के लिए चिंताजनक है। भारत के लिए चीन दूसरा सबसे बड़ा आयातक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। ऐसे में चीन की अर्थव्यवस्था पर सतर्क निगाहें जरूरी हैं। हमें ध्यान में रखना है कि दुनिया के कोने-कोने की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में जो चुनौतियों की तेज लहरें निर्मित हो रही हैं, उनके बीच भी हमें आसानी से तैर कर दूर तक जाने के लिए सतर्कता और सावधानी के साथ देश से निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटे की चुनौती को कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाए जाने की जरूरत बनी हुई है।

20 वर्ष से पार्किंग का इंतजाम नहीं कर सकी नगरपालिका

रोजाना 50 टन से अधिक कचरा उगलता शहर, नहीं बढ़ी क्षेत्र के हिसाब से सफाईकर्मियों की संख्या

माही की गूंज, मंदसौर।

शहर की प्रमुख समस्याओं पर बात की जाए तो सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की ही है। 20 वर्ष से शहर सार्वजनिक स्थानों पर पार्किंग की जगह नहीं होने से जूझ रहा है। हर चुनाव में नगर पालिका के अध्यक्ष वादा करते हैं पर काम कुछ नहीं करते हैं। निजी काम्प्लेक्स में नक्शे कुछ और पास होते हैं और मौके पर निर्माण अलग होता हैं। सरकारी भवनों और काम्प्लेक्स के ही हाल-बेहाल हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है पूरे शहर की पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाली नगर पालिका खुद के कार्यालय में ही पार्किंग का इंतजाम नहीं कर पा रही है।

बाजार से लेकर बड़े काम्प्लेक्स हो या भवनों की बात हो, फिर बैंकों से लेकर बड़े रेस्टोरेंट, होटल हो। कही पर भी पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। इसलिए दुपहिया से लेकर चार पहिया वाहन बेतरतीब खड़े रहते हैं और इसी कारण जाम की समस्या लगातार शहर में बढ़ती जा रही है। विडंबना तो यह है कि पूरे शहर की व्यवस्था बनाने वाली नगर पालिका में ही पार्किंग के इंतजाम नहीं है। नगर पालिका अपने ही कर्मचारियों से पार्किंग में वाहन नहीं खड़े करा पा रही है। कर्मचारियों से लेकर हर दिन यहां आम लोगों के वाहन नपा कार्यालय के बाहर अव्यवस्थित खड़े होते हैं इस कारण यहां जाम की स्थिति हर समय निर्मित होती है।

सड़क पर खड़े वाहन बड़ी समस्या

नगर पालिका के कर्मचारियों और अधिकारियों के दुपहिया वाहन पहले नपा कार्यालय के अंदर खड़े होते थे। लेकिन पिछले कुछ माह से सभी दुपहिया वाहन बाहर खड़े किए जाने लगे हैं। ऐसे में नपा कार्यालय के बाहर हर दिन बड़ी संख्या में दुपहिया वाहन मनमर्जी से खड़े किए जाते हैं जो अपनी सीमा लांघकर आधी सड़क तक घेर लेते हैं और इसके कारण मुख्य मार्ग पर जाम की समस्या खड़ी हो रही है।

पांच वर्ष में नहीं बढ़े कर्मचारी

शहर का क्षेत्रफल और आबादी लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन नपा की सफाई व्यवस्था बढ़ती हुई आबादी और क्षेत्र के हिसाब से नहीं बढ़ी है। पिछले पांच सालों में कर्मचारी एक भी नहीं बढ़ा बल्कि कालोनियों के साथ शहर का दायरा बढ़ा। वहीं नपा की सफाई शाखा में भले ही 800 कर्मचारी शहर की सफाई कर रहे हैं लेकिन हकीकत में देखे तो 450 से 500 कर्मचारी ही इतने बड़े शहर को साफ कर रहे हैं ऐसे में नपा स्वच्छता की परीक्षा में अव्वल आने का दावा कर रही है।

2017 से अब तक सफाई शाखा में एक भी कर्मचारी की बढ़ोतरी नहीं हुई। विडंबना तो यह है कि, स्वच्छता की परीक्षा भले ही नपा हर वर्ष दे रही हो लेकिन सफाई व्यवस्था हाइटेक भी नहीं हो रही है और न ही इसमें सुधार के लिए किसी स्तर की पहल और समीक्षा हो रही है। आलम तो यह है कि अलग-अलग जगहों पर काम कर रहे कर्मचारियों से नपा सफाई शाखा का काम ही नहीं ले पा रही है।

50 टन कचरा हर दिन उगलता है मंदसौर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 की परीक्षा में नपा को 9500 अंकों के लिए परीक्षा देना है। ऐसे में नई चुनौतियों के साथ तैयारियों का दौर शुरु हो गया है। मंदसौर शहर हर दिन 55 से 60 टन कचरा उगलता है तो वहीं दो टन पालीथिन को ट्रेंचिंग ग्राउंड पर एकत्र करने के बाद इसका निष्पादन करना ही सबसे बड़ी चुनौती है। पालीथिन पर शासन ने भले ही प्रतिबंध लगा रखा हो लेकिन नपा शहर में इसका उपयोग नहीं रोक पा रही है। सफाई के नाम पर कर्मचारियों से लेकर संसाधनों पर हर दिन पांच से आठ लाख रुपये तक का खर्च हो रहा है लेकिन फिर भी स्वच्छता का ग्राफ सुधर नहीं पा रहा है।

नपा की सफाई शाखा को ऐसे समझें

जानकारी के अनुसार नगर पालिका में सफाई शाखा में कागजों में 800 कर्मचारी कार्यरत है। इन्हें पूरा शहर साफ कर कचरा उठाने से लेकर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक डालना पड़ता है। वर्ष 2017 से अब तक शहर में चारों दिशाओं में कालोनियों के साथ क्षेत्रफल बढ़ रहा है लेकिन कर्मचारी एक भी नहीं बढ़ा है।

40 वार्डों में दरोगा सिर्फ हो रहे काम का सुपरविजन करते हैं। हर वार्ड के हिसाब से घर-घर कचरा संग्रहण वाहन है। 12 कर्मचारी आवारा पशुओं की गेंग पर है। 15 कर्मचारी की आयोजनों में ही काम करती है। 20 प्रतिशत यानी 160 कर्मचारी अवकाश से लेकर अन्य कारणों से काम पर नहीं पहुंचते हैं। 30 कर्मचारी ऐसे हैं जो नपा कार्यालय में अलग-अलग शाखाओं में काम कर रहे हैं। 6 ट्रैक्टर-ट्राली,1 कार्गो गाड़ी, 4 डंपर व 2 जेसीबी, वैक्यूम पंप, आवारा पशु वाहन पर भी वाहन चालक से लेकर कर्मचारी लगे हुए है। तो 20 प्रतिशत एवजी सिस्टम (कर्मचारी का नाम काम पर कोई ओर) कर रहा है। कलेक्ट्रेट के नए भवन की सफाई भी नपा के कर्मचारी करते हैं। तो वही कलेक्टर से लेकर एसपी, एडीएम से लेकर न्यायाधीशों के बंगलों से लेकर नेताओं के यहां भी नपा के सफाई शाखा के कर्मचारी लगे हुए है जो काम वहां कर रहे हैं लेकिन वेतन नपा से ले रहे हैं। इसके अलावा सुबह के बाद दोपहर बाद व रात्रिकालीन सफाई की व्यवस्था पर अलग-अलग टीमें काम कर रही है। इस तरह 800 में से 300 से अधिक कर्मचारी तो अन्यत्र है। वहीं बचे हुए 500 कर्मचारी से ही सफाई व्यवस्था चल रही है।

कभी नहीं होती सफाई व्यवस्था की समीक्षा

लंबे समय से नपा का संचालन प्रशासक कर रहे थे। ऐसे में शहर से जुड़ा हर काम नपा में अफसरों के भरोसे चल रहा था। नपा चुनाव के बाद नगर पालिका परिषद का गठन हुआ ओर पीआईसी भी बनी लेकिन अब तक नगर की सफाई व्यवस्था से लेकर नपा की सफाई शाखा में मौजूद कर्मचारियों और संसाधनों की समीक्षा तक नहीं हुई है ओर ना ही इसके सुधार से लेकर लगातार आ रही शिकायतों पर अंकुश लगाकर स्वच्छता का ग्राफ ऊंचा उठाने के लिए किसी प्लानिंग पर मंथन के साथ काम हुआ है।

पूर्व विधायक स्व. यादव की जंयती पर आज किया जाएगा पौधरोपण

अपने कार्यकाल में किये गए कार्यो को आज भी जनता की जबान पर है यादव

माही की गूंज, भानपुरा।

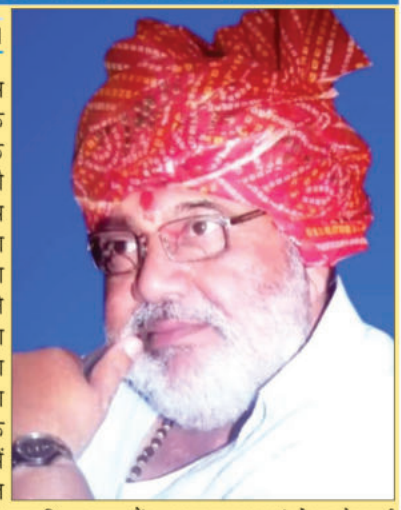

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गरोठ भानपुरा के जनप्रिय विधायक स्वर्गीय राजेश यादव की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में संपूर्ण क्षेत्र में भव्यता के साथ आज पौधरोपण का कार्य उनके चाहने वालों द्वारा किया जायेगा। स्वर्गीय राजेश यादव गरोठ-भानपुरा क्षेत्र से 2 बार विधायक रहे, उनके कार्यकाल में किये गए कार्यों को आज भी जनता द्वारा आज भी याद किया जाता हैं। लक्ष्य प्रण पथ अंत्योदय के मार्ग पर चलकर राजेश यादव ने विकास के साथ-साथ भाजपा को क्षेत्र में मजबूत किया व हर कार्यकर्त्ता व जनता के दिलो में जगह बनाई। स्वर्गीय यादव गरोठ भानपुरा की प्रगति को खुशहाली व हरियाली के प्रति आजीवन समर्पित रहे पूर्व विधायक स्वर्गीय राजेश यादव यादव की जंयती 31 अगस्त को स्वर्गीय राजेश यादव मित्र मंडल आह्वान पर गरोठ भानपुरा अंचल ग्रामों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा। राजेश यादव का सपना था कि, जलवायुगत परिवर्तन के दौर में केवल वृहद पौधरोपण से ही जलवायु परिवर्तन से उनकी समस्याओं से उपजी समस्याओं से निजात पाई जा सकती है। इसी सपने को पूरा करने के प्रयास सामाजिक संस्थाओं के साथ उनके पुत्र विनीत राजेश यादव एंव पुत्रवधू डॉ. मनुप्रिया विनीत यादव ने मिलकर हजारों पौधे रोपण किए स्वर्गीय राजेश यादव के हजारों प्रशंसकों व उनके अभिन्न मित्र व संस्थाओं द्वारा इकत्तीस अगस्त, गुरुवार को पुनः यह कार्य किया जा रहा है। स्वर्गीय यादव ने अपने कार्यकाल में ग्रीन गरोठ भानपुरा क्लीन गरोठ भानपुरा का नारा दिया था। राजेश जी ने अपनी राजनीती के साथ-साथ कृषि का भी कार्य किया। विधानसभा में आज तक सबसे ज्यादा मतों से जीतने का रिकॉर्ड भी स्वर्गीय राजेश यादव के नाम पर है। रिकॉर्ड कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री सुभाष कुमार सोजतिया के सामने 26 हजार मतों से जीतकर बनाया था। स्वर्गीय यादव विधायक के साथ-साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष, भाजपा मंडल अध्यक्ष व संगठन के कई पदों पर रहकर अपना दायित्व निर्वाह किया है। यादव की पुत्रवधू डॉक्टर मनुप्रिया विनीत यादव वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष है। जिन्होंने अपने जिला पंचायत के वार्ड में रिकार्ड मतों से विजय प्राप्त की व पुत्र विनीत यादव भाजपा के सक्रिय नेता है। स्वर्गीय राजेश यादव ने अपने साधारण व्यक्तित्व व अपने कार्यों से आज भी क्षेत्रवासियों के हृदय में अमिट छाप छोड़ी हैं। स्वर्गीय राजेश यादव एक जननेता थे कांग्रेस के गढ़ को भाजपा के गढ़ में बदलने में राजेश यादव कि ही भुमिका रही। इस क्षेत्र से सर्वाधिक मतों से लगभग छब्बीस हजार से जीतने का रिकार्ड उनके नाम हे स्वर्गीय यादव अपने राजनैतिक विरोधियों से भी बहुत ही आत्मीयता से मिलते थे भाजपा उनके लिए सर्वोपरि थी कभी भी गुटबाजी को बढ़ावा नहीं दिया। विधायक काल में कभी भी बदले कि भावना से काम नहीं किया भजन गाना, फिल्मों के गाने गाना उनको ओर लोकप्रिय बनाता था बहुत ही सहज संरल व सादगी पुर्ण थे।

गोहत्या के आरोपितों के तीन मकान जमींदोज

माही की गूंज, शाजापुर।

गोहत्या के आरोपितों पर मंगलवार को जिले में बड़ी कार्रवाई हुई है। प्रशासन ने शुजालपुर क्षेत्र के ग्राम खेड़ी मंडल खा में गोहत्या के आरोपितों के तीन मकान जमींदोज कर दिए।शुजालपुर एसडीएम सत्येंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

गत 18 अगस्त को शुजालपुर सिटी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम खेड़ी मंडल खा में गोहत्या का मामला सामने आया था। मामले में पुलिस ने आठ लोगों पर गोहत्या का मामला दर्ज करते हुए घटनास्थल से 20 किलो मांस व हत्या में उपयोग हुए धारदार हथियार जब्त किया था।

गोवंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत सलीम खां, फूल खां, बब्लू, साहिर, राजा, मुश्ताक खां, अमजद, वाहिद सरपंच के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। छह आरोपितों को अब तक पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से पांच पर कलेक्टर किशोर कन्याल द्वारा रासुका के तहत भी कार्रवाई की गई है।

एक आरोपित को न्यायालय से अग्रिम जमानत मिल गई है, वहीं एक की पुलिस तलाश कर रही है। गोहत्या के आरोपितों के तीन मकान जमींदोज करने के अलावा गांव में ही अवैध अतिक्रमण कर हमीद पुत्र भूरे खां द्वारा बनाया गया पक्का मकान भी जमींदोज किया गया है। इस तरह मंगलवार को ग्राम खेड़ी मंडल खां में कुल चार मकान पर प्रशासन की जेसीबी चली।

मामले में सत्येंद्र कुमार सिंह एसडीएम शुजालपुर का कहना है कि, गोवंशी की हत्या के मामले में आरोपित मुश्ताक पुत्र सलीम, बब्लू पुत्र सलीम और राजा पुत्र अहमद के मकान जेसीबी से तोड़े गए हैं। यह मकान अवैध कब्जा कर बनाए गए थे। इसी गांव में एक अन्य ग्रामीण हमीद पुत्र भूरे खां द्वारा भी अवैध कब्जा कर पक्का मकान बनाया गया था। उसे भी जेसीबी से तोड़ा गया है।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया गया खेलकूद दिवस

माही की गूंज, रतलाम। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जन्म दिवस पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेलकूद दिवस के अवसर पर सृजन महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में टेबल टेनिस, केरम व अन्य खेलकूद का आयोजन किया गया।

स्पर्धा का शुभारंभ अध्यक्ष अनिल झालानी ने मेजर ध्यान चन्द्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर झालानी ने कहा कि खेल में हुनर की नहीं रूचि की आवश्यकता है जो इस रूचि के साथ खेलना शुरू करे तो फिर वो उसका हुनर बन जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित सृजन महविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यादव ने निरंतर अभ्यास को तरजीह देते हुए विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। आभार व्यक्त करते हुए निसर्ग दुबे ने कहा कि, मन शरीर का एक भीतरी हिस्सा है और शरीर का दुरुस्त होना उसके लिए जरुरी है और खेल हमारे शरीर को दुरुस्त रखते हैं, जिससे हमारा मन चंगा रहता है। कार्यक्रम का संचालन खेल शिक्षिका ताहिरा खान ने किया।

पुलिस के हत्थे चढ़े तस्कर, 38 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की दलौदा पुलिस ने बाइक सवार आरोपी के कब्जे से 38 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया है। इसकी कीमत 40 हजार रुपए बताई गई है। मामले में पुलिस ने डोडाचूरा देन और लेने वाले दोनों शख्स को गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में केस दर्ज किया है।

दलौदा थाना प्रभारी संजीव सिंह परिहार बताया कि, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक से डोडाचूरा लेकर किसी अन्य तस्कर को देने जाने वाला है। मौके पर नाकाबंदी की जाए तो आरोपी गिरफ्त में आ सकता है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के महू-नीमच हाईवे मोरखेड़ा फंटा फतेहगढ़ के पास नाकाबंदी करते हुए बाइक को रोककर बाइक सवार शंकर लाल पिता चतुर्भुज बागरी (35) वर्ष निवासी डिगाव को हिरासत में लिया। उसके कब्जे वाले बेग की तलाशी लेने पर बैग में 38 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, वह अवैध डोडाचूरा को गांव के ही रायसिंह पिता रणछोड़ लाल से लेकर आया था। उज्जैन जिले लखाईड़ा गांव के मनीष पुत्र पदम सिंह पारदी को देने जा रहा था। इसी दौरान वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मामले में पुलिस ने डोडाचूरा देने वाले रायसिंह बागरी और इसकी डिलीवरी लेने वाले मनीष पारदी को भी सहआरोपी बनाते हुए गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

बैंक में लोन के लिए नहीं दिया आवेदन फिर भी दे दिया 4 लाख से अधिक का लोन

माही की गूंज, रतलाम।

शुभम् रेसीडेंसी रतलाम निवासी मनीष बोहरा ने जनसुनवाई के दौरान बताया कि, मैरे द्वारा किसी भी बैंक से ऋण हेतु आवेदन नहीं किया गया, फिर भी आईसीआईसीआई बैंक द्वारा उनके नाम पर 21 जून 2023 को 4 लाख 60 हजार रुपए का लोन जारी कर दिया गया। यह राशि न तो मेरे खाते में आई और न ही मेरे द्वारा किसी कागज पर हस्ताक्षर किए गए है। इस सम्बन्ध में संबंधित बैंक और थाना प्रभारी को भी सूचित कर दिया गया है कि मेरे साथ धोखाधडी की गई है। कृपया उचित कार्यवाही कर मुझे राहत प्रदान की जाए। आवेदन एलडीएम को निराकरण के लिए भेजा गया है।

जिला स्तरीय सुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव, डिप्टी कलेक्टर संजय शर्मा, एसडीएम त्रिलोचन गौड, संजीव पाण्डे ने जनसुनवाई की। इस दौरान आए 62 आवेदनों के निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

जनसुनवाई में रावटी तहसील के ग्राम गंगायतापाडा निवासी रमेश दामा ने आवेदन देते हुए बताया कि, प्रार्थी ग्राम में ही अपनी पुश्तैनी जमीन पर कृषि कार्य करता आ रहा है। ग्राम पंचायत के उपसरपंच द्वारा जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जाता है। मना करने पर धमकी देता है कि तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड सकते हो। कृपया उचित कार्यवाही कर न्याय प्रदान किया जाए। आवेदन तहसीलदार रावटी को निराकरण के लिए प्रेषित किया गया है।

भूमि पर जबरन कब्जा

जावरा तहसील के ग्राम ठिकरिया निवासी फूंदालाल तथा रामीबाई ने अपने संयुक्त आवेदन में बताया कि, प्रार्थीगण ग्राम में ही खेती का कार्य करते हैं तथा जिस शासकीय भूमि पर कृषि कार्य किया जाता है उसका कर अदा कर रसीद प्राप्त की जाती है। परन्तु गांव के ही कुछ दबंग लोगों द्वारा उनकी भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया गया है, मना करने पर उनके द्वारा मारपीट की जाती है। कुछ दिन पूर्व हुए विवाद में रामीबाई की अंगूली कट गई है। न्याय प्रदान करते हुए जबरन कब्जा हटाये जाने की मांग की गई। आवेदन निराकरण के लिए एसडीओपी को भेजा गया है।

वृद्ध विधवा महिला ने की पड़ोसी की शिकायत

लम्बी गली (थावरिया बाजार) निवासी श्रीमती हेमलता सोनी ने जनसुनवाई में बताया कि प्रार्थिया विधवा तथा वृद्ध होकर सिलाई कार्य कर अपना भरण पोषण करती है। पडोसी द्वारा मकान कार्य निर्माण के दौरान उनके मकान की दीवार को अनाधिकृत रुप से काटकर कालम खडे कर दिए गए हैं तथा उनकी छत पर कालम डाल दिए गए हैं। इस सम्बन्ध में जब पडौसी से कालम हटाने की बात की गई तो वह लडाई-झगडे तथा मारपीट पर उतारू हो गया। आपसे निवेदन है कि मौका मुआयना किया जाकर मेरी छत एवं मकान पर किए गए कब्जे को हटवाया जाए। आवेदन निराकरण के लिए तहसीलदार शहर को भेजा गया है।

भगवान पशुपतिनाथ के लिए बनाई गई चंद्रयान-3 वाली 12 फीट की राखी

माही की गूंज, मंदसौर।

रक्षाबंधन पर्व पर बहनें अपने भाइयों को राखी बांधती हैं। मंदसौर में कुछ बहनों ने भगवान पशुपतिनाथ को भाई माना है और हर साल भगवान श्री पशुपतिनाथ को बहनें राखी बांध रही हैं। रक्षाबंधन के कुछ दिन पहले ही मंदसौर शहर के दो परिवार भगवान पशुपतिनाथ को बांधने के लिए राखी बनाने में जुट जाते हैं। इस वर्ष भी कालाखेत निवासी निर्मला गुप्ता और खानपुरा निवासी अर्पणा जैन ने भगवान श्री पशुपतिनाथ को बांधने के लिए 12-12 फीट की राखी तैयार की है। रक्षाबंधन के शुभ मुहुर्त में दोनों बहनें परिवार सहित मंदिर पर जाकर भगवान श्री पशुपतिनाथजी की अष्टमुखी प्रतिमा पर राखी बांधेंगी।

13 वर्ष से भगवान पशुपतिनाथ को बांध रही राखी

कालाखेत में रहने वाली निर्मला गुप्ता भगवान पशुपतिनाथ को इस 13वें वर्ष भगवान पशुपतिनाथ को राखी बांधी। इस वर्ष उन्होंने 12 फीट की कैलाश मनासरोवर की राखी तैयार की है, इस राखी पर चंद्रयान-3 भी दर्शाया गया है। रक्षाबंधन पर्व पर निर्मला गुप्ता बेटियों व बहुओं के साथ पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचकर 12 फ़ीट की राखी भगवान को बांधी। उन्होंने पिछले वर्ष राखी पर बाबा अमरनाथ की प्रतिकृति बनाई थी।

निर्मला गुप्ता ने बताया कि, 2011 से हर वर्ष भगवान पशुपतिनाथ को विशेष राखी बांधती आ रही हैं। तीन दिन पहले ही राखी बनाना प्रारंभ किया था।

राखी में शिव परिवार

खानपुरा निवासी अर्पणा जैन भगवान श्री पशुपतिनाथ को 16 वर्षों से राखी बांध रही हैं। रक्षाबंधन पर्व के 15 दिन पहले से ही अर्पणा जैन परिवार के सदस्यों द्वारा भगवान पशुपतिनाथ को बांधी जाने वाली राखी बनाने की तैयारी प्रारंभ की थी। अर्पणा जैन ने बताया भगवान श्री पशुपतिनाथ को बांधने के लिए हर वर्ष अलग-अलग प्रकार की राखी बनाते हैं। इस वर्ष हमने शिव परिवार की राखी बनाई है, राखी में पूरा शिव परिवार दर्शाया गया है। यह राखी करीब 12 फीट की है।

अर्पणा ने बताया कि, उन्होंने रक्षाबंधन पर्व पर विशेष मुहुर्त में परिवार सहित पहुंचकर भगवान श्री पशुपतिनाथ को राखी बांधी। रक्षाबंधन पर्व का इंतजार रहता है, भगवान को भाई माना है, भगवान पशुपतिनाथजी मेरी सभी मनोकामना पूरी करते है। राखी के साथ ही मंदिर गर्भगृह के लिए वंदनवार भी तैयार किया गया है।

देश की सेवा में तैनात भाई को राखी

देश की सेवा में तैनात भाई को हर वर्ष बहन राखी भेजकर उसकी सलामती की दुआ कर रही हैं। पिपलियामंडी के निवासी राकेश कंडारा सीआरपीएफ में पदस्थ हैं और वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में तैनात है। राकेश रक्षाबंधन पर पांच वर्ष से पहले घर नहीं आए हैं। हर साल बहन रीना कालेट अपने भाई राकेश को यहीं से राखी भेजती हैं और राखी के साथ भाई की सलामती की बहुत सारी दुआएं भी भेजती हैं। जहां भाई पदस्थ है वह पिपलियामंडी से 1020 किलोमीटर दूर है।

रीना कालेट ने बताया कि, रक्षाबंधन के दिन भाई से फोन पर बात करती हूं। इस वर्ष इंतजार था लेकिन छुट्टी नहीं मिलने के कारण भाई नहीं आ सका। पांच वर्ष से भाई को राखी भेज रही हूं।

हड़ताल होने के कारण पोर्टेबिलिटी की सुविधा का उपयोग कर राशन लेकर घर पहुंचा अधिकारी

माही की गूंज, खरगोन।

रहिमपुरा वार्ड 36 की केसर बाई को राशन नहीं मिलने कि शिकायत मुख्यमन्त्री सचिवालय के संज्ञान में आने पर सचिवालय से कलेक्टर कार्यालय की मेल आईडी पर 25 अगस्त को एक सूची मेल की गई। इस सूची पर कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने खाद्य विभाग को निर्देशित किया। विभाग में अफरा तफरी के बाद केसर बाई से संपर्क किया गया। जानकारी निकाली गई तो पता चला राशन नियमित मिल रहा है। लेकिन अभी राशन मिला नही है। खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने महिला को राशन उपलब्ध कराने के लिए पोर्टेबिलिटी व्यवस्था का उपयोग कर पास ही कि दामखेड़ा आदिवासी संस्था द्वारा संचालित राशन दुकान से खाद्य निरीक्षक स्वयं राशन लेकर केसर बाई के घर पहुँचे। केसर बाई ने कहा कि हड़ताल के कारण राशन नही मिला था। भोपाल से फोन आया और पूछा तो मैंने बता दिया था।

सचिवालय ने ली जानकारी रंजीत ने कहा पत्नी का राशन नही मिला

तीन दिनों पहले बड़वाह में बावी के रंजीत के पास मुख्यमंत्री सचिवालय से सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना की प्रतिक्रिया लेने के लिए फोन किया गया था। रंजीत ने बताया कि उनके परिवार को राशन मिल रहा है लेकिन पत्नी का राशन नही मिल रहा है। सचिवालय से खरगोन कलेक्टर से संपर्क किया गया। निर्देश दिए कि रंजीत की पत्नी को राशन नही मिल रहा है। दिलवाये। कलेक्टर श्री वर्मा नव खाद्य विभाग को तुरंत गांव भेजा गया। परिवार से मिलने के बाद जानकारी दी गई कि पत्नी का नाम धरमपुरी धार में जुड़ा हुआ है। इस कारण उनको राशन वहां मिल रहा है। खाद्य निरीक्षक श्री वीरेंद्र ने धरमपुरी के ऑपरेटर से चर्चा कर नाम हटाने की प्रकिया की। अब बावी में नाम जुड़वाया गया है। सीएम हॉउस से लगातार बिजली पेयजल, खाद्य समस्याओं को लेकर मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके बाद समस्या आने पर सम्बन्धित कलेक्टर को सूची भेजी जाती है। कलेक्टर द्वारा समस्याओ की समीक्षा कर निराकरण करते है।

कलेक्टर ने आशाग्राम पहुंचकर कुष्ठ अंतःवासी महिलाओं से बंधवाई राखी

माही की गूंज, बड़वानी।

भाई-बहन के आपसी प्रेम एवं सौहार्द का त्यौहार रक्षाबंधन आशाग्राम में त्यौहार का दुगना आनंद लेकर आया जब भाई के रूप में राखी बंधवाने के लिए कलेक्टर डॉ. राहुल हरिदास फटिंग आशाग्राम ट्रस्ट पहुंचे। कलेक्टर डॉ. राहुल को अपने बीच पाकर महिलाओं का राखी का त्यौहार आनंद से भर गया। कलेक्टर को राखी बांधने वाली बालीबाई बताती है कि वह 10 वर्ष पूर्व रक्षाबंधन पर ही झोपाली विकासखंड सेंधवा से कुष्ठ रोग होने के कारण आशा ग्राम उपचार के लिए आई थी तब से वह यही की होकर रहने लगी तथा भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन के द्वारा प्रधानमंत्री आवास की सौगात भी दी गई है। जिसे जिला प्रशासन के द्वारा समन्वय कर सुंदर आवास के रूप में जन सहयोग से सृजित किया है। उन्होने बताया अब आशाग्राम ही उनका आश्रय है, रक्षाबंधन पर्व पर भाई के स्वरूप में कलेक्टर डॉ. राहुल को राखी बांधना मानो 10 वर्ष की तपस्या के बाद मिले प्रतिफल के समान है। कलेक्टर ने बालीबाई का मुंह मीठा करवाया तथा भेंट स्वरूप राशि भी भेंट की। इस दौरान उपस्थित अन्य बहनों ने सहायक संचालक अजय कुमार गुप्ता ट्रस्ट के सचिव डॉ शिवनारायण यादव, आदि को भी रक्षा सूत्र बांधे सभी ने बहनों को भेंट स्वरूप राशि भेंट कर मुंह मीठा करवाया।

समीर उल्ला को ग्वालियर केन्द्रीय जेल में रखने के आदेश

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम -1980 की धारा-3 (2) के अंतर्गत खरगोन के समीर उल्ला नसरुल्ला को निरुद्ध करने के आदेश जारी किए है। उन्होंने इस तरह का आदेश लोक व्यवस्था बनाये रखने के प्रतिकूल किसी भी रीति से कार्य करने से रोकने के उद्देश्य से किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम-1980 की धारा-3(2) के अधीन मोहन टॉकिज निवासी समीर उल्ला पिता नसरूल्ला को आगामी तीन माह तक ग्वालियर की केन्द्रीय जेल में भेजने के आदेश जारी किए हैं। आरोपी समीर उल्ला के

विरूद्ध वर्ष 2016 से 2022 तक कई प्रकरण पंजीबद्ध किये गए है।

खरगोन कोतवाली प्रभारी बीएल मंडलोई ने जानकारी देते हुए बताया कि, समीर उल्ला पर कभी सबसे अधिक ईनामी राशि घोषित हो चुकी है। उन पर 30 हजार रुपये तक का इनाम घोषित हो चुका है। खरगोन, मेनगांव व कोतवाली खरगोन थाने में 10 से अधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। समीर उल्ला बदमाश व आदतन अपराधी होकर लगातार अपराध घटित कर शहर में शांति भंग करने का आरोपी है। आरोपी समीर उल्ला के खिलाफ खरगोन थाने में वर्ष 2016 में 324 व 506 भादवि, वर्ष 2017 में धारा 307, 147,148, 149 भादवि में, 2017 में ही धारा 323, 342, 363, 364, 365, 368, 147, 149 भादवि सहित कई मामलों में अपराध दर्ज किए गए। इसके अलावा समीर पर 3 बार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की जा चुकी है।

केन्द्रीय जेल में भी मनाया गया रक्षा बंधन, बहनों ने बांधी अपने बंदी भाईयो की कलाईयों पर राखी

माही की गूंज, बड़वानी।

केन्द्रीय जेल बड़वानी में भी रक्षाबंधन का त्यौहार बुधवार को मनाया गया। इसके तहत जेल में बंद बंदियों को उनकी बहनों ने कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान भाई एवं बहनों के चेहरों पर एक दूसरे से मिलकर खुशी नजर आई। जेल में बंद बंदी जब अपने परिवार से मिले तो उनके चेहरा खिल उठा। भाई बहनों से गले मिले एवं उनके पैर छूकर आर्शीवाद प्राप्त किया। केन्द्रीय जेल के अधीक्षक एसबी शरण से प्राप्त जानकारी अनुसार रक्षा बंधन त्यौहार के मद्देनजर केन्द्रीय जेल में भी विशेष व्यवस्था की गई थी । सभी बहनों को जेल विभाग की ओर से नारियल की बर्फी एवं आरती की थाली दी गई। बहने सिर्फ अपने साथ राखी एवं नारियल लेकर ही आई। उन्होने बताया कि रक्षाबंधन के त्यौहार के मद्देनजर ऐसे बंदी जिनकी बहने राखी बांधने हेतु आई थी, उन्हें सआदर इसकी अनुमति देकर विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। जिससे वे अपने भाईयो की कलाईयो पर राखी बांध सके। उन्होने बताया कि इस कार्य में पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सहायक जेल अधीक्षक श्री विनय काबरा एवं जेल स्टाफ का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ । मुस्लिम बहनों ने भी

बांधी अपने भाईयों को राखी केन्द्रीय जेल बड़वानी में रक्षाबंधन के पर्व पर मुस्लिम बहनो ने भी अपने भाईयों को राखी बांध कर साम्प्रदायिक एकता का परिचय दिया। मुस्लिम बहनों ने भाई की कलाई पर खुशी-खुशी राखी बांधी एवं इस त्यौहार को मनाया।

जिला हॉकी संघ द्वारा हाकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

माही की गूंज, बड़वानी। हॉकी कोच मुकेश राठौर ने बताया खेल दिवस के अवसर पर जिला हॉकी संघ बड़वानी द्वारा एक दिवसीय स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद हाकी प्रतियोगिता का आयोजन पीजी कॉलेज हॉकी मैदान पर किया गया। जिसमें जिले की सात टीमों ने हिस्सा लिया सीनियर वर्ग में जिला हॉकी संघ बड़वानी विजेता रहा। वहीं उपविजेता का स्थान खेल परिषद बड़वानी को मिला जूनियर वर्ग में पायो नियर एकैडमी अंजड विजेता रहे। वही उपविजेता का स्थान शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल को मिला मिनी वर्ग में हॉकी फीडर सेंटर बड़वानी विजेता रहा। वही मॉडर्न एकेडमी अंजड़ को उपविजेता का स्थान मिला प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी संजू ईमान सिंग, शुभम चौहान एवं पीहू राठौर रहे । प्रतियोगिता का उद्घाटन कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर दिनेश वर्मा ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया एवं समापन जन भागीदारी अध्यक्ष एडवोकेट अरविंद उपाध्याय ने किया। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को विजेता एवं उपविजेता ट्रॉफी दी गई । प्रतियोगिता का आभार प्रदर्शन खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रूप सिंह कलेश द्वारा माना गया। आयोजन में कॉलेज के क्रीड़ाधिकारी हरीश वर्मा सर आदिवासी विकास विभाग के खेल प्रभारी मुकेश मालवीया जन भागीदारी समिति के अभिषेक शर्मा, रामजय चौहान, पिंकी दाऊदे, मोनिका राठौड़, भावेश मालवीय, सिद्धार्थ टाके एवं विजय चौहान उपस्थित रहे।

जूना बिलवा मार्ग का प्रारंभिक कार्य हुआ प्रारम्भ

माही की गूंज, खरगोन। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के निर्देशानुसार धुलकोट-जूना बिलवा मार्ग का कार्य 15 सितम्बर से प्रारम्भ किये जाने के लिए आरईएस विभाग द्वारा अपनी तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई है। आरईएस के कार्यपालन यंत्री अनिल बागोले ने बताया कि, 5 सितम्बर को टेंडर खुलने के बाद जल्द गई निर्माण की कार्यवाही की जाना है। यह सड़क 420.04 करोड़ की लागत से बनना है। इसमें 9 पुलिया आएंगे। इस मार्ग से नवलपुरा, जूना बिलवा, दगड़खेड़ी व कन्यापानी को लाभ होगा। इस मार्ग से करीब 5600 से अधिक नागरिकों को लाभ होगा।

दाने दाने पर लिखा होता है खाने वाले का नाम

माही की गूंज, खरगोन।

एक बहुत पुरानी कहावत है दाने दाने पर लिखा होता है खाने वाले का नाम। वाकई आज जनसुनवाई के बाद एक ऐसा ही वाक्या कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा के चेम्बर के बाहर पेश आया। इस वक्त कलेक्टर वर्मा लंच के लिए बाहर निकले तो नारायणपुरा के करीब 85 वर्षीय वृद्ध ठाकरिया ने आवेदन देते हुए हाथ फैला दिए। कलेक्टर ने स्थिति देखते हुए पहले तो कैंटीन में भोजन कराने के लिए न सिर्फ रुपये दिए बल्कि 2 हजार की आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की। हालांकि सामाजिक न्याय विभाग से पता करवाया तो पता चला कि उन्हें नियमित पेंशन मिल रही है और नियमित राशि निकाली भी जा रही है। फिर भी कलेक्टर वर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए आर्थिक स्थिति ज्यादा ही चिंताजनक लगने पर सहायता की गई। बुजूर्ग ठाकरिया ने पेंशन प्रदान करने के लिए आवेदन किया था।

माही की गूंज
बेबाकी के साथ...सच
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
मेघनगर, रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, बरवेट, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा), सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

बेवीनार से युवाओं को कौशल सीखने में मार्गदर्शन मिलेगा - श्री शर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

भारत में प्राचीन काल से कौशल सीखने पर बल दिया गया है। जिनके पास कौशल होता है, उन्हें काम की कोई कमी नहीं होती है। उन्हें नौकरी तो मिल ही सकती है, वे स्वयं का रोजगार स्थापित करके दूसरों को रोजगार देने वाले भी बन सकते हैं। भारत में प्राचीन काल में कृषि और स्वयं के रोजगार को अधिक महत्व दिया जाता था। स्किल सीखने के लिए कर्म का सम्मान करना होगा। वर्तमान युग कौषल का युग है। प्रत्येक क्षेत्र में कौषलयुक्त युवाओं के लिए उन्नति के बहुत अवसर हैं। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ के माध्यम से कौषल आधारित अधिगम एवं रोजगार विषय पर आयोजित वेबीनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन योजना, उच्च शिक्षा, भोपाल, मध्यप्रदेष शासन के उपनिदेषक डॉ. गोविंद सिंह राय ने कहीं। उन्होंने सफल उद्यमियों के जीवन की घटनाओं के आधार पर युवाओं को स्वरोजगार करने के लिए प्रेरित किया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि अभिषेक शर्मा ने कहा कि, वेबीनार का विषय युवाओं के लिए बहुत उपयोगी है। यह युवाओं को कौषल सीखने और रोजगार प्राप्त करने के लिए मार्गदर्षन देगा। इस वेबीनार की सफलता, रचनात्मकता और विविधता का श्रेय कॅरियर सेल की टीम को है। मैं उन्हें शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। वेबीनार का आयोजन प्राचार्य डॉ. दिनेष वर्मा की अध्यक्षता में हुआ। डॉ. वर्मा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि कॅरियर सेल ने वेबीनार को राष्ट्रीय स्वरूप देने में सफलता प्राप्त की। डॉ. वीणा सत्य का रहा विषेष योगदान सलाहकार समिति की सदस्य डॉ. वीणा सत्य ने वेबीनार को सम्पन्न करने में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने स्वागत भाषण, अतिथि परिचय, तकनीकी सत्र में विषय विषेषज्ञ और श्रेष्ठ प्रस्तुतियों के निर्णायक के रूप में वेबीनार को नई ऊँचाई प्रदान की। समन्वय एवं संचालन कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया और वर्षा मुजाल्दे ने किया। तकनीकी सहयोग अंतिम मौर्य, प्रो. आदित्य शुक्ला एवं श्री सुहेल खान ने दिया। अंतिम मौर्य ने वेबीनार का प्रसारण गुगलमीट और यू-ट्यूब प्लेटफार्म पर किया। महाविद्यालय के लोअर हॉल में उद्घाटन सत्र सम्पन्न हुआ। ये रहे प्रदेष के बाहर के विषय विषेषज्ञ नियमानुसार वेबीनार में मध्यप्रदेष के बाहर के दो विषय विषेषज्ञों की सहभागिता आवष्यक होती है। इसके अंतर्गत आइआइटी धनबाद, बिहार के प्रो. डॉ. गजेंद्र विष्वकर्मा एवं ओडिषा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पृथ्वीराज साहू प्रदेष के बाहर के विषय विषेषज्ञ रहे। इन्होंने सांख्यिकीय कौषल और वैज्ञानिक कौषल के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। तीन सत्रों का हुआ आयोजन वेबीनार के तीन सत्र हुए-उद्घाटन सत्र, तकनीकी सत्र एवं समापन सत्र। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री अभिषेक शर्मा थे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दिनेष वर्मा ने की। सर्वप्रथम कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया, वर्षा मुजाल्दे, वर्षा मेहरा, पूनम कुषवाह ने की। प्राचार्य डॉ. वर्मा ने मुख्य अतिथि अभिषेक शर्मा ने एवं प्राचार्य डॉ. वर्मा का स्वागत विपुल किराड़े एवं जितेंद्र बर्डे ने किया। स्वागत भाषण और अतिथि परिचय डॉ. वीणा सत्य ने प्रस्तुत किया। इन्होंने प्रस्तुत किये शोध-पत्र तकनीकी सत्र में विषय विषेषज्ञ की भूमिका का निर्वाह डॉ. वीणा सत्य एवं डॉ. परवेज मोहम्मद ने निभाई। उन्होंने बताया कि लगभग चार घंटे चले वेबीनार में कुल दस प्रतिभागियों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये। डॉ. रामेष्वर गुप्ता एवं डॉ. दिलीप गुप्ता ने 'बदलते वैष्विक परिदृष्य में कौषल आधारित प्रषिक्षणों की उपयोगिता', दीपक कुमार कन्नौजिया ने 'समाज में सोषल मीडिया एवं रोजगार-वर्तमान संदर्भ में', प्रो. रॉनी जॉय ने 'स्टूडेंट्स इंगेजमेंट इन स्किल बेस्ड, लर्निंग', डॉ. आषा साखी गुप्ता ने 'कृषि क्षेत्र में सहायक उद्यम एवं रोजगार की संभावनाएं', प्रो. डॉ. के.एस. बघेल ने 'भाषा कौषल एवं रोजगार', प्रो. मोहित सोनी ने 'स्किल बेस्ड लर्निंग एंड एम्पलोयेबिलिटी - एन एनालिसिस थ्रू मेथेमेटिकल मॉडलिंग', डॉ. पुष्पा चौहान ने 'निमाड़ में मछली पालन के क्षेत्र में रोजगार के सुनहरे अवसर', डॉ. एम.एस. मोरे ने 'मत्स्यपालन कौषल और रोजगार, डॉ. महेष लाल गर्ग ने 'व्यक्तित्व विकास एवं रोजगार' तथा डॉ. राजमल सिंह राव ने 'डेयरी कौषल और रोजगार' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किये। वेबीनार के आयोजन सचिव डॉ. मधुसूदन चौबे थे। आभार डॉ. राजमल सिंह राव ने व्यक्त किया। सहयोग उमेष किराड़, सुनील मेहरा, वर्षा षिंदे, वर्षा मेहरा, पूनम कुषवाह, अन्नपूर्णा कनेष, दिलीप रावत, भियारी गुर्जर, सतीष अवास्या, गीता वास्केला, संतोषी मोरे, शोभा सोलंकी ने किया।

युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूरिया ने जन आक्रोश बाइक रैली के साथ किया विधानसभा चुनाव का शंखनाद

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

कांग्रेस के युवा नेता व युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दीपक भूरिया ने युवा जन आक्रोश बाइक रैली निकालकर जोबट विधानसभा 2023 का शंखनाद किया। दीपक भूरिया ने स्व. कलावती भूरिया के अधूरे सपनो को साकार करने के लिए मंगलवार को आज़ाद नगर के मंडी ग्राउंड में युवा जन आक्रोश बाइक रैली निकाली। इस दौरान जोबट विधानसभा 192 के सैकड़ों युवा बाइक लेकर शामिल हुए।

बाइक रैली मंडी ग्राउंड से शुरू होकर त्रिमूर्ति टंट्या मामा, परथी दादा, भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की कुटिया पर पहुच कर आज़ाद को नमन किया। जन आक्रोश बाइक रैली आज़ाद नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बैरियल से ग्राम मालपुर, बड़ा खुटाजा, बरझर से होते हुए आज़ाद नगर में समापन किया। युवा जन आक्रोश बाइक रैली का आगाज़ एक बड़ी संख्या में जोबट विधानसभा के युवाओ का समर्थन दीपक भूरिया के साथ दिखाई दिया। साथ ही मंच पर भाषण देते हुए पूर्व विधायक स्व. कलावती भूरिया को याद कर भावुक हुए।

भूरिया ने कहा कि, मैंने किसी का कुछ नही बिगड़ा है, लेकिन मुझे जबरन परेशान किया गया। बस मेरी गलती इतनी थी कि, मैं अपनी बुआ के सपनो को साकार करने के लिए राजनीति में आया था। इन्हीं बातों को लेकर दीपक भूरिया की आंखों से आंसू झलकने लगे। विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मैं आज शंखनाद कर रहा है। इसकी शुरुआत मैंने युवाओं के साथ शहीद आजाद की जन्म स्थली से शुरुआत की है। चंद्रशेखर आजाद नगर बीजेपी के दादा पहलवानों का गढ़ रहा है। आज मुझे जितने युवाओं का समर्थन पूरे विधानसभा से मिला है, पिछले कई सालों में इस गढ़ में कांग्रेस कभी इतने युवा एकत्रित नहीं कर पाई है। युवाओं को संबोधित करते हुए कहा आपने मुझे जो मान सम्मान दिया है, अगर मैं आपके पैर भी पढ़ू तो कम है।

युवा जन आक्रोश रैली में कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओम राठौड़, खुर्शीद दिवान, मोनू बाबा, अनिता गडरिया, ब्लॉक अध्यक्ष मदन डावर, नगरसिंग भूरिया, राजेश जायसवाल, आदिल शेख, विशाल अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे।

विधायक की टिकट किसी को भी मिले, हम कांग्रेस के लिए काम करेंगे

ब्लॉक अध्यक्ष मदन डावर ने संबोधित करते हुए कहा, विधायक की टिकट किसी को भी मिले, हम सब एक जुट होकर कांग्रेस प्रत्याशी के लिए काम करेंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ता व युवाओं को भी इसका संकल्प दिलाया।

कलेक्टर ने कैप्टन अली असगर का किया सम्मान

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने अलीराजपुर के युवा कैप्टन अली असगर का सम्मान किया। उन्होंने शाल, श्रीफल भेंट करते हुए सम्मान स्वरूप 11 हजार रूपये का चेक कैप्टन अली असगर को भेंट किया। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने कैप्टन असगर से चर्चा करते हुए उनकी शिक्षा, कैप्टन बनने सहित अन्य जानकारी लेते हुए उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि नागर सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष मकू परवाल, सहित कैप्टन असगर के पिता मुस्तन मर्चेंट एवं उनकी माताजी तथा अनिल तंवर उपस्थित थे। अलीराजपुर के बोहरा समुदाय के प्रतिष्ठित किराना व्यवसायी इब्राहिम मर्चेन्ट के पौत्र एवं मुस्तन मर्चेंट के बेटे अली असगर ने जिले का नाम रौशन किया। 21 वर्षीय अली असगर ने पायलट प्रषिक्षण प्राप्त कर जिले का नाम रोषन किया। असगर ने पारिवारिक पृष्ठ भूमि के व्यवसाय से अलग सोचते हुए कार्वर एविएशन बारामती से 18 माह का पायलट प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने 200 घंटे की उड़ान भरी। यह उडान उन्होंने कर्नाटक के गुलबर्गा और विजयपुर तथा महाराष्ट्र के अकलकोट, सोलापुर, लातूर, कराड और औरगांबाद में भरकर वांछित 200 घंटों की उडान पूरी की, जो कमर्शियल पायलट लाइसेंस के लिए जरूरी होता है। उक्त उपलब्धि पर कैप्टन अली असगर को सभी ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

पालकी में सवार हो नगर भ्रमण पर निकले भोलेनाथ, बाल शिव भक्त मंडल ने भी निकाली शोभायात्रा

माही की गूंज, आम्बुआ।

सावन महीने का अंतिम सोमवार को आम्बुआ में हर्षोल्लास के साथ भूत भावन भोलेनाथ की पालकी तथा झांकी निकाली गई। जिसमें विशेष आकर्षण का केंद्र बाल शिव भक्त मंडल की पालकी रही। शोभा यात्रा में बैंड की धुन पर जमकर थिरके के शिव भक्त स्थान स्थान पर भव्य स्वागत हुआ आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण हुआ।

श्रावण माह में सोमवार का विशेष महत्व पुराणों में वर्णित है। भुत भावन त्रिकालदर्शी भगवान शिव को सावन माह के साथ-साथ सावन माह का सोमवार विशेष रूप से प्रिय है। सावन के अंतिम सोमवार को आम्बुआ स्थित हथनेश्वर महादेव पालकी में विराजित होकर कस्बा भ्रमण पर निकले बैंड बाजों की कर्ण प्रिय भजनों पर शिव भक्त जमकर झूमे महिलाओं बच्चों ने गरबा नृत्य किया। बाल शिव भक्त मंडल की पालकी आकर्षण का केंद्र रही जिसकी सभी स्थानों पर पूजा अर्चना आरती की गई। झांकी में शिवजी बना बालक भी आकर्षण का केंद्र रहा हथनेश्वर महादेव प्रांगण से प्रारंभ हुई यात्रा कस्बे में घूमती हुई पुराने पत्थर कारखाने तक गई। मार्ग में शिव भक्तों ने ठंडे पेयजल तथा फलों का वितरण किया। स्थान स्थान पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया भोलेनाथ की पालकी पुनः मंदिर प्रांगण में पहुंची। जहां पर भगवान शंकर की मनमोहक झांकी के बीच विराजित हथनेश्वर महादेव की महा आरती की जाकर महाप्रसादी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में आम्बुआ, बोरझाड़, तथा ग्रामीण क्षेत्र के अनेक शिव भक्त सम्मिलित हुए सर्व सनातन धर्मालंबियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

गुरुवर पंडित श्री प्रदीप मिश्रा की ओर से बाल शिव भक्त मंडल को नगर प्रोत्साहन से हर्ष

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में लगभग 5-6 माह पूर्व प्रसिद्ध कथा प्रावक तक गुरुवर पंडित श्री प्रदीप मिश्रा की प्रेरणा से गठित बाल शिव भक्त मंडल जो की विभिन्न सामाजिक धार्मिक आयोजन में जुठा है को सावन सोमवार को भोलेनाथ की पालकी निकालने पर नगद प्रोत्साहन पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा भेजा जाने से बाल शिव भक्त मंडल तथा कस्बे में हर्ष व्याप्त है। इसी कार्यक्रम में अन्य धर्म प्रेमियों ने भी मंडल को नगद राशि प्रदान की।

स्मरण रहे कि, गुरुवर श्री प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले की प्रेरणा से गठित इस मंडल की गतिविधियां विभिन्न माध्यम से गुरुदेव को प्रेषित की जाती रही है। उन्होंने इच्छा जाहिर की थी कि वह आम्बुआ के बाल शिव भक्त मंडल से मिलेंगे तथा उन्हें वाद्य यंत्र तथा आशीर्वाद प्रदान करेंगे गुरु जी की व्यस्ता के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। बाल शिव भक्त मंडल जो कि विगत महीनों से रविवार को मंदिरों की सफाई तथा प्रति शाम प्रदोष काल में शिवजी की पूजा अर्चना आरती कर रहे हैं। सभी बाल शिव भक्त गुरुदेव से मिलने का सपना संजो कर बैठे हैं। इसी बीच सावन के अंतिम सोमवार को जब नन्हे शिव भक्तों ने भोलेनाथ की पालकी उठाई तथा नगर भ्रमण करा कर जब पुनः शिवालय पहुंचे तब आरती के बाद गुरुदेव की ओर से प्रेषित नगर प्रोत्साहन आशीर्वाद बच्चों को जैसे ही मिला सर्वत्र खुशी छा गई तथा भोले नाथ की जयकारें लगाए गए। गुरुदेव के नगर प्रोत्साहन आशीर्वाद के बाद आम्बुआ के शिव भक्त रहे धर्म प्रेमी शंभू लाल खंडेलवाल के छोटे सुपुत्र द्वारा 1100 तथा गोपाल नानूराम राठौड़ की ओर से 1100 एवं गोपाल कन्हैयालाल राठौड़ सांवरिया पान सेंटर की ओर से भी मंडल को 1100 नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई यह प्रोत्साहन प्राप्त होने से बोल शिव भक्त मंडल में हर्ष व्याप्त है उन्होंने पूज्य गुरुदेव तथा अन्य दानदाताओं का आभार माना है।

दिन भर दुकानों पर उमड़ती रही महिलाओं की भीड़

रक्षाबंधन पर भद्रा का साया फिर भी रहा उत्साह

माही की गूंज, आम्बुआ।

भाई-बहन के स्नेह के अटूट रिश्ते का त्योहार सावन की पूर्णिमा को दिन की बजाय रात में मनाया गया। रक्षा बंधन पर भद्रा तिथि का साया होने से राखी बांधना वर्जित है, इसके बावजूद भारी उत्साह दिखा दिनभर दुकानों पर भीड़ देखी गई।

श्रावण मास की समाप्ति पर पूर्णिमा तिथि को भाई-बहन के अटूट स्नेह का विश्वास का त्यौहार रक्षाबंधन मनाऐ जाने का सनातन धर्म में विधान है। इस बार पूर्णिमा पर भद्रा काल का साया सुबह से रात 9 बजे तक रहने के कारण राखी नहीं बांधी जा सकी। इस बीच दिनभर राखी तथा मिठाई नारियल वस्त्र आभूषण उपहार आदि की दुकानों पर बहिनों की भीड़ लगी रही। कई दुकानों पर भाइयों ने भी बहनों को देने के लिए उपहार खरीदे आम्बुआ बाजार में दो दर्जन से भी अधिक दुकानें सजी देखी गई रात 9 बजे बाद शुभ मुहूर्त में बहनों ने पहले श्री गणेश जी तथा इसके बाद भगवान को और भाइयों को राखी बांधी कई परिवारों में आज 31 अगस्त तथा अष्टमी तक राखी बांधने का कार्यक्रम किया जाना है।

कलेक्टर ने कराया 10 लाख रूपए का दुर्घटना बीमा

माही की गूंज, शाजापुर।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की अनूठी पहल डाक विभाग की 396 रूपये की दुर्घटना पॉलिसी में 10 लाख रूपये का बीमा कलेक्टर किशोर कन्याल ने स्वयं की पालिसी पोस्ट ऑफिस के माध्यम से करायी। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी पोस्ट ऑफिस के द्वारा की जा रही दुर्घटना पॉलिसी कराने के लिए कहा।

उल्लेखनीय है कि, इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक की 396 रूपये प्रति वर्ष की दुर्घटना बीमा पर 10 लाख रूपये का क्लेम दिया जा रहा है। यह चर्चित पॉलिसी लेने पर ग्राहक को ग्राहक की दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु होने पर नॉमिनी को 10 लाख मिलेंगे। साथ ही अंत्येष्टि के लिए 5 हजार रूपये का भी प्रावधान हैं। अगर मृतक के परिवार में 2 बच्चें हैं जो कि अभी पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें एक लाख रूपये का शिक्षा भत्ता दिया जाएगा। अगर ग्राहक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो जाता हैं तो, आईपीडी का 60 हजार रूपये तक का खर्चा इस पालिसी में शामिल हैं। जितने दिन ग्राहक अस्पताल में भर्ती रहता हैं, उसे 1000 रूपये प्रतिदिन (अधिकतम 9 दिन) के हिसाब से भत्ता मिलेगा। अगर ग्राहक को दुर्घटना में मामूली चाटें, फैक्चर इत्यादि होता हैं तो 30 हजार रूपये तक का खर्चा भी इस पालिसी में शामिल हैं। यदि ग्राहक की दुर्घटना किसी अन्य जगह होती हैं तो, उसके परिवार जन का दुर्घटना स्थल पर आने जाने का किराया-भाड़ा 25 हजार रूपये तक इसमें शामिल हैं।

पॉलिसी के लिए ग्राहक का आईपीपीबी का खाता होना आवश्यक हैं, खाता खुलवाने के लिए ग्राहक का सिर्फ़ आधार कार्ड, मोबाइल नंबर लगेगा और यह खाता 200 रूपये से खुलेगा। विस्तृत जानकारी नागरिकगण इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के उक्त बीमा को अपने निकटतम पोस्ट ऑफ़िस से प्राप्त कर सकते हैं।

चुनाव आयोग व पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के अनुरूप प्रशिक्षण का दौर शुरू

माही की गूंज, अलीराजपुर।

चुनाव आयोग एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के अनुरूप प्रशिक्षण का दौर शुरू हो चुका है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के द्वारा ज़िले के समस्त पुलिस अधिकारियों और कएर्मचारियों को अनुभाग स्तर का प्रशिक्षण ज़िला मुख्यालय स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में चुनाव आचार संहिता के तहत पुलिस को आदर्श आचरण करने एवं राजनीतिक पार्टियों द्वारा आचरण संहिता का उल्लंघन करने पर की जाने वाली कार्यवाहियों के बारे में बताया गया।

चुनाव के संबंधमें विशेष क़ानूनी प्रावधानों संवेदनशीलऔर अतिसंवेदनशील मतदानकेंद्रों, अंतर्राज्यीय चेकिंग नाका तथा एफ़एसटी, एसएसटी, सेक्टर पुलिस मोबाइल और मतदान केंद्रों पर की जानी वाली कार्यवाहियों के संबंध में मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रशिक्षण संबंधी वीडियो दिखाया गया।

उक्त प्रशिक्षण में आरक्षक एवं प्रधान आरक्षक स्तर के कर्मचारियों और विशेष सशस्त्र बल और होमगार्ड के बल द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, उपपुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा बीएल अटोदे, अनुविभागीय अधिकारी नीरज नामदेव, रक्षित निरीक्षक इनोद रंधावा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

रामवीर सिकरवार के नेतृत्व में आयोजित हुई श्री कृष्ण चरित्र कथा

जया किशोरी की कथा सुनने उमड़ा जन सैलाब

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शुजालपुर में मंड़ी प्रांगण में श्री कृष्ण चरित्र पर एक दिवसीय आयोजित कथा के भव्य पांडाल में उपस्थित हजारो भक्तो को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध कथा वाचक जया किशोरी ने कहा कि, यदि सच्चे मन से राम नाम के मंत्र का जाप करो तो सांसारिक विषयों के संग से बिगड़ा हुआ व्यक्ति सुधर सकता है और श्रीकृष्ण के अवतार को पूर्ण अवतार माना गया है। उन्हौने कहा कि, श्री कृष्ण के हर प्रसंग में श्री हरि के नाम स्मरण की महिमा का वर्णन है। जो भी महान भक्त हुए हैं, वे प्रभु के नाम जप के कारण ही ईश्वर के प्रिय हुए हैं। मन को स्थिर करने के लिए प्रभु के नाम का स्मरण करें। इस युग में सबसे बड़ा और सबसे सरल मंत्र है हरे कृष्ण हरे राम। जो आपके मन की मलिनता को दूर कर सकता है। कार्यक्रम में श्रोताओं के बीच जया किशोरी ने कहा कि इंसान बनने का अर्थ है कि व्यक्ति अपने साथ दूसरों के बारे में भी सोचें। आपकी वजह से किसी एक की जिंदगी भी संवर जाए तो आपका जीवन सफल है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जब दुःखी होता है तो ज्ञान की बातें समझ नहीं आती हैं।

जया किशोरी ने कहा कि, सिर्फ सुनने मात्र से व्यक्ति का कल्याण नहीं होता है। श्रवण के बाद चिंतन और मनन करना भी हमें जरूरी है। मूर्ख हो या विद्वान सबको सुनना चाहिए। समझदार के बोलने से यह पता चलता है कि हमें क्या करना हैं और मूर्ख के बोलने से यह पता चलता है कि हमें क्या नहीं करना हैं। उन्होंने कहा कि श्रवण से चिंतन और उससे जो सार मिले उसका मनन यानि उसे अपने जीवन में उतारना चाहिए।

संगीतमय भजनों पर थिरका जनमानस

प्रसिद्ध कथा वाचक जया किशोरी ने अपने लोकप्रिय भजनों को कथा के मध्य और पश्चात सुना कर श्रद्धालुओं को भावों से भर दिया। युवा, महिलाएं, बुजुर्ग सभी नृत्य करने से स्वयं को रोक नहीं सके। उन्होंने श्यामा तेरे चरणों की राज मिल जाए तो तकदीर बदल जाए...., काली कमली वाला मेरा यार...,मेरा मुरलीवाला आया श्याम जपू में.... नंद भवन में उड़ रही थूल, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है, श्रीराम जानकी बैठे है मैरे सिने में, सजा दो, जैसे लोकप्रिय भजन को आनंद जनमानस ने लिया। जया किशोरी के भजनों पर तालियों के साथ गुनगुनाते हुए लोग भक्तिरस में सरोबार हुए। वहीं जया किशोरी ने भी जमकर उत्साह तालियों के साथ बढ़ाया।

पूर्व मंत्री लोकप्रिय वरिष्ठ कांग्रेस नेता व विधायक सज्जन वर्मा ने कहा कि, इंसान बनने का अर्थ है कि व्यक्ति अपने साथ दूसरों के बारे में भी सोचें। जया किशोरी जी आपकी वजह से शुजालपुर क्षेत्र में किसी एक की जिंदगी भी संवर जाए तो हमारा जीवन सफल है। वरिष्ठ समाजसेवी रामवीरसिंह सिकरवार ने कहा कि जयाकिशोरी जी पर सरस्वती जी की साक्षात कृपा है। उनको सुनने से भगवान श्रीकृष्ण का मर्म समझ में आ जाता है। उन्हौने कहा कि आज जया किशोरी जी ने शुजालपुर क्षेत्र के लोगो को आनंद से भर दिया। उन्होंने कहा कि परोपकार सेवा ही सार्थक कर्म है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में अभा क्षत्रिय महासभा राष्ट्रिय उपाध्यक्ष अनिल चंदेल, विधायक कुणाल चौधरी, समाजसेवी मोढ़सिंह डोडिया, जिला कांग्रेस अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह बंटी बना, जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष अशोक परमार, केदार सिंह मेवाड़ा, उपाध्यक्ष भगवत सिंह, महामंत्रीगण महेन्द्र मेवाड़ा, भूपेन्द्र बल्ला सोनी, शुजालपुर ब्लाक अध्यक्ष मंगलसिंह राठौड़, कालापीपल ब्लाक बाबूलाल सोनी, शाजापुर ब्लाक अध्यक्ष इरशाद खान, अभा क्षत्रिय महासभा संभागीय अध्यक्ष विजयपालसिंह डोडिया, अभा क्षत्रिय महासभा जिला अध्यक्ष नरेश्वरप्रताप सिंह, युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष जंयत सिकरवार, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती रचना जैन सहित पार्षदगण जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य व्यक्तियों ने कथा में मौजूद रहे।

शिवराज सरकार में इतनी बेचैनी क्यों...?

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। लोकतंत्र में चुनाव आते-जाते रहते हैं और सरकार भी बनती बिगड़ती रहती है। लेकिन देश की आन-बान और शान बरकरार रहना चाहिए। राजनीति में आरोप और प्रत्यारोप चलते रहते है, लेकिन जहां देश की बात आती है वहां पक्ष और विपक्ष को एक हो जाना चाहिए। वही विगत कुछ वर्षों में राजनीति का स्तर गिरता जा रहा हैं। राजनीतिक दल मुद्दे आधारित विरोध के साथ ही व्यक्तिगत विरोध पर उतर आए हैं। विशेष कर चुनाव के समय यह बयानबाजी और अधिक हो जाती है। मध्य प्रदेश में 2 से 3 महीने में चुनाव होना है और चुनाव को लेकर अभी से सरगर्मी तेज हो गई है। राजनेता, मुद्दों के साथ ही विपक्षी को व्यक्तिगत रूप से भी घेरने का प्रयास कर रहे है और यह व्यक्तिगत शीर्ष से लेकर निचले स्तर तक पहुंच चुका है। शीर्ष स्तर पर तो मतभेद भुला दिए जाते हैं लेकिन निचले स्तर पर ये व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप आपसी रंजिश में बदल जाते हैं। मध्य प्रदेश में पंचायत चुनाव के बाद हुई घटनाएं इसके उदाहरण है। इसलिए राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि, वे राजनीति में सुचिता का पालन करें जिससे निचले स्तर पर भी एक स्वस्थ संदेश जाए।

भाजपा बेचैन, कांग्रेस सजग

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों ही प्रमुख दलों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। जहां तक सत्ताधारी भाजपा का सवाल है वो चुनाव को लेकर बेचैन नजर आ रही है। मुख्यमंत्री सहित मंत्री और केंद्रीय मंत्री लगातार दौरे कर न केवल योजनाओं का बखान कर रहे वरन नई घोषणाएं भी करने आ रहे हैं। भाजपा किसी भी कीमत पर सत्ता खोना नहीं चाहती है, सत्ता की बेचैनी भाजपा नेताओं में साफ देखी जा सकती है। मुख्यमंत्री ताबड़तोड़ घोषणा और महा पंचायत आयोजित कर सभी वर्गों को साधने का प्रयास कर रहे है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है तो वह भी अपनी व्यापक तैयारी कर रही है। कांग्रेस के पास खोने को कुछ भी नहीं है वो लगातार शिवराज सरकार की घोषणाओं को झूठ साबित करने में लगी है। कांग्रेस पूरी सजगता के साथ फूक-फूक कर कदम रख रही है, क्योंकि वह जानती है कि, अगर कांग्रेस इस बार सत्ता में नहीं आती है तो उसे अपना कुनबा संभालना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा। वही सत्ता प्राप्ति कांग्रेस को संजीवनी प्रदान करेगी और संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा। कांग्रेस के लिए यह चुनाव कांग्रेस की आगामी दशा और दिशा निर्धारित करने वाला रहेगा। वहीं मध्य प्रदेश में फिलहाल तो कोई तीसरी शक्ति उभर पाना संभव नहीं लग रहा है। कांग्रेस और भाजपा के असंतुष्ट जरूर अपनी-अपनी पार्टी का नुकसान कर विपक्षी को फायदा पहुंचा सकते हैं।

झाबुआ जिले के संदर्भ में देखे तो दोनों ही दलों ने चुनाव को लेकर अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी है। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री तो कांग्रेस की ओर से कमलनाथ जिले का दौरा कर चुके हैं। भाजपा ने दो सीट पर अपने प्रत्याशी तय कर दिए है, वहीं कांग्रेस की ओर से भी प्रत्याशी तय माने जा रहे हैं और उन्होंने तैयारियां प्रारंभ कर दी है। लेकिन दोनों ही दलों में असंतोष व्याप्त हैं। अब देखना यह है कि, इस असंतोष को कौन सा दल अधिक कंट्रोल कर पता है। जहां तक थांदला विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की ओर से आधा दर्जन से अधिक नेता अपनी दावेदारी जता रहे हैं जिसको लेकर आम जनता में मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आ रही है। आम जनता का कहना है कि, थांदला विधानसभा सीट भाजपा के लिए सबसे मुश्किल सीटों में से एक है और इसलिए भाजपा यहां फूंक-फूंक कर कदम रख रही है।

अगर काम किया है तो इतनी बेचैनी क्यों

भाजपा का चुनाव को लेकर की जा रही तैयारियो को लेकर आम जनता में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। लोग उदाहरण के माध्यम से बता रहे हैं कि, जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई करता है वह परीक्षा के समय निश्चिंत रहता है कोई हडबड़ी नहीं करता है। उसी प्रकार पिछले 20 वर्षों (15 माह छोड़कर) से प्रदेश में भाजपा की सरकार है, पिछले 9 वर्षों से केंद्र में भी भाजपा की सरकार है और इस डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद चुनाव सर पर आते ही भाजपा इतनी बेचैन क्यों हो रही है। अगर आपने वाकई अच्छे कार्य किए हैं तो जनता आपको वोट देगी ही, इसमें इतनी हड़बड़ी दिखाने की क्या आवश्यकता है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोग भाजपा की चुनावी तैयारी पर भी चुटकी लेते नजर आ रहे हैं। तमाम योजनाओं के बावजूद अगर आपको वोट के लिए इतना कुछ करना पड़ रहा है तो इसके लिए कहीं न कहीं सिस्टम की खराबी है और योजना का सही-सही लाभ आम जनता को नहीं मिल पा रहा है। वहीं कई भाजपा समर्थक चुनाव को लेकर की जा रही तैयारी को जरूरी बनाकर पार्टी का समर्थन करते नजर आ रहे हैं।

लाडली बहना योजना मास्टर स्ट्रोक साबित होगी...?

प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान अपने आप को प्रदेश के लड़के-लड़कियों को भांजे-भांजिया कहते हैं और इस हिसाब से वे महिलाओं के भाई बन गए हैं और भाई ने अपनी बहनों के लिए लाडली बहना योजना लागू की है। भाजपा ने 51 प्रतिशत मत प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है और महिलाओं के वोट पाने के लिए इसे मास्टर स्ट्रोक के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। अब यह स्ट्रोक मास्टर स्ट्रोक साबित होता है या नहीं, यह तो भविष्य के गर्भ में है। लेकिन बुद्धिजीवी वर्ग का मानना है कि, नगद राशि हस्तांतरण के बजाये महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना लागू करना चाहिए, उन्हें रोजगार दिया जाना चाहिए जिससे वो स्वयं अपने पैरों पर खड़ी हो सके सरकारी सहायता आखिर कब तक...?

महिलाएं भी मुक्त की रेवड़ी के बजाये स्वाभिमान के साथ मेहनत करके अपना व परिवार का भरण पोषण करना चाहती हैं।

शौचालय की नींव ही भ्रष्टो ने भ्रष्ट कार्य कर अधूरे कार्य के साथ की राशि आहरण

भ्रष्टों ने लगाया फर्जी बिल, मामला नाहरपुरा पंचायत का

भ्रष्ट नींव कार्य में लगा दी 100 बोरी सिमेंट के साथ अन्य सामाग्री।

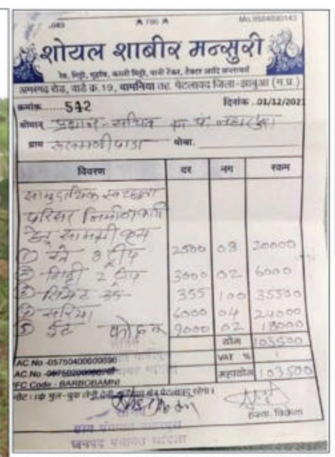

इस फर्जी बिल के साथ भ्रष्टो ने कर ली राषि आहरण।

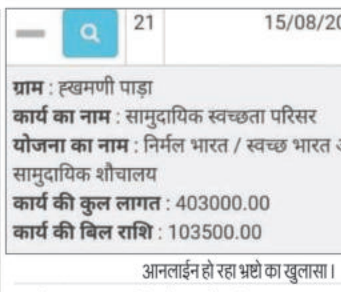
21 15/08/2021

ग्राम : रुखमणी पाड़ा
कार्य का नाम : सामुदायिक स्वच्छता परिसर
योजना का नाम : निर्मल भारत / स्वच्छ भारत अभियान–सामुदायिक शौचालय
कार्य की कुल लागत : 403000.00
कार्य की बिल राशि : 103500.00

आनलाईन हो रहा भ्रष्टो का खुलासा।

माही की गूंज, खवासा। पवन पाटीदार

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बना दिया और इसी शिष्टाचार के सहारे शिवराज सरकार अपनी पांचवी पारी खेलने की तैयारी में जुट गई है। यह अलग बात है कि, आम जनता पांचवी पारी खेलने का मौका इस शिष्टाचार के साथ देगी या फिर भाजपा को क्लीन बोल्ड 2023 के विधानसभा चुनाव में करेगी। यह तो चुनावी समर के बाद ही पता चलेगा।

विकास की मुख्य धुरी ग्राम पंचायत होती है लेकिन भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बनाने के बाद छोटे-छोटे कार्य में भी किस निचले स्तर का भ्रष्ट कार्य और उसी भ्रष्ट कार्य की नींव रखने के साथ ही भ्रष्ट फर्जी बिल के साथ किस तरह से राशि निकाली जा रही है जिसका एक छोटा सा उदाहरण का खुलासा माही की गूंज आज भी कर रही है।

निर्मल भारत/स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वच्छता परिसर यानी सार्वजनिक शौचालय का निर्माण की मंजूरी होकर थांदला जनपद के अंतर्गत नाहरपुरा (खवासा) पंचायत के ग्राम रूखमणीपाड़ा में 4 लाख 3 हजार रूपये 15 अगस्त 2021 में आवंटित हुए थे। पंचायत के भ्रष्टो ने बामनिया के किसी शोयल साबिर मंसूरी से उक्त शौचालय बनवाने की बात कही और कार्य मंजूरी के साथ ही शौचालय की नींव का कार्य ही भ्रष्ट तरीके से करने के साथ ही पंचायत के तात्कालिक सरपंच-सचिव ने उसी शोयल साबिर मंसूरी से उसकी फर्म का बिल क्रमांक 542 का दिनांक 1 दिसंबर 2021 को प्राप्त किया। जिसमें उल्लेखित किया गया कि, सामुदायिक स्वच्छता परिसर निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय (1) रेत 8 ट्रिप दर 25 सौ रूपये, (2) गिट्टी 2 ट्रिप दर 3 हजार रूपये, (3) सीमेंट 100 बोरी दर 355 रुपए, (4) सरिया दर 6 हजार रूपये जिसमें सिर्फ नग 4 उल्लेखित किया गया...? (5) ईंट 9 हजार रूपये 2 ट्रिप, कुल 1 लाख 3 हजार 5 सौ रूपये का फर्जी बिल के साथ राशि आहरण कर ली गई और उस भ्रष्ट नींव का कार्य आज दिनांक तक कोई निर्माण कार्य नहीं होकर उक्त कार्य आज भी अधर में पड़ा है।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि, शोयल साबिर मंसूरी निवासी बामनिया के पास किसी भी नदी का ठेका नहीं है और न ही रॉयल्टी का टेंडर है। इसी तरह क्रेसर मशीन भी नहीं है। सीमेंट-सरिया की दुकान भी नहीं है और न ही ईंट भटे का निर्माण कार्य करता है। तो किस आधार पर पंचायत के तात्कालिक भ्रष्ट सरपंच-सचिव ने उक्त फर्जी बिल प्राप्त किया और किस आधार पर इंजीनियर द्वारा मूल्यांकन कर जनपद के एसडीओ व सीईओ ने राशि आहरण करवा दी।

तय है यह मामला छोटा सा हो पर ग्रामीणों का कहना है, इसी तरह से भाजपा सरकार में कितने बड़े स्तर का भ्रष्टाचार किया जा रहा है और जिसे कोई देखने वाला ही नहीं है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि, चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे नेता आकर करते हैं और विकास की बात करते हैं तथा विकास के नाम पर भ्रष्ट किस तरह से भ्रष्टाचार की डुबकी में डूब रहे हैं और सरकार को डूबाने का कृत्य कर रहे हैं, यह एक छोटे से उदाहरण के रूप में ही उक्त सार्वजनिक शौचालय के अधूरे व भ्रष्ट निर्माण के साथ फर्जी बिल के साथ की गई राशि आहरण के रूप में देखा जा सकता है। उक्त संबंध में आईटी सेल के कार्यकर्ता दिनेश कटारा ने जनहित में अपनी सक्रियता दिखाते हुए 23 अगस्त 2023 को जनसुनवाई में कलेक्टर झाबुआ को शिकायत भी की है। शिकायत में उक्त अधूरे कार्य की जांच व फर्जी आहरण की जांच के साथ करीब 2 वर्ष से अधिक समय से अधर में पड़े उक्त सार्वजनिक शौचालय का निर्माण जल्द ही करवाने की मांग की है।

युवती के साथ शोषण का सनसनीखेज मामला आया सामने, नगर में चल रहे जिस्मफरोशी का काला सच

जिस्म के सौदागर गिरोह से छूटकर पुलिस थाने पहुंचकर बताई युवती ने दास्ता

थाने में महिला पुलिस कांस्टेबल के बिना देख-रेख में रात 12 बजे तक बैठी रही पीड़िता

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

नगर में चल रहे गुपचुप जिस्मफरोशी के व्यापार पर लगातार चर्चा थीं कई बार मामले सामने आये लेकिन आपसी सुलह समझौते के साथ निपट लिए गए। इस धंधे की आड़ में इन दिनों लोगो को फंसा कर लूटने की भी चर्चा थी। इन सब के बीच पेटलावद थाने में पहुँची एक युवती ने उसकी दूध मूही बच्ची सहित मौत के घाट उतारने की धमकी देकर बार-बार, अलग-अलग लोगो के साथ गलत काम करने के लिए मजबूर करने और दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई। सोमवार रात को पीड़ित युवती जिस्म का सौदा करने वाले गिरोह के चंगुल से छूटकर थाने पहुंची जहां रोते हुये उसने अपने साथ हुई हैवानियत की दास्तां पुलिस को सुनाई। युवती ने पुलिस को बताया कि, उसको उसके पति ने काफी समय पहले ही छोड़ दिया था, बाद में वह केसरपुरा निवासी मामा के यहां रहने लगीं। जिसके बाद आरोपी लोगो ने युवती के मामा-मामी से सम्पर्क किया और काम दिलाने का भरोसा देते हुए पेटलावद ले आये, जहां अटल बस्ती में किराये के मकान में उसे और उसकी छोटी बच्ची को रखा गया।

अंजान लोगों के हवाले कर दिया जाता था

युवती ने बताया कि, काम धंधा नहीं होने से वह आरोपियों की बातों में आकर पेटलावद में रहने लगी। लेकिन आरोपीयो ने उसे काम तो नही दिया लेकिन पैसे लेकर अंजान लोगो के हवाले करना शुरू कर दिया तथा विरोध करने पर उसे ओर उसकी दूध मूही बच्ची को मौत के घाट उतारने की धमकी देते रहे। यही कारण रहा कि, युवती ना चाहते हुए भी आरोपियों के चंगुल में फसती गई। लगातार युवती के साथ उसकी मर्जी के विरुद्ध दुष्कर्म करवाया गया और जिस्म के बदले अवेध धन वसूल किया गया।

विवाह करवाकर की थी अवेध वसूली

युवती की शिकायत अनुसार आरोपियों ने उसकी इच्छा के विरुद्ध उसका विवाह भी करवाया और बाद में वहां से अवैध धन वसूलकर उसे पुनः पेटलावद लेकर आ गए। आरोपियों का गिरोह जिसमे महिलाएं भी शामिल है, उन्होंने भी एक मजबूर युवती का साथ देने के बजाए रुपयों के लालच में अंजान लोगो के साथ रात बिताने पर मजबूर करते रहे। कई बार दुष्कर्म के बाद भी युवती अपनी नाबालिक छोटी बेटी और खुद की जान जाने के भय से चुप रही। घटना दिनांक 26 अगस्त को भी रात में आरोपियों ने युवती के साथ मारपीट करके एक अधेड़ व्यक्ति के हवाले कर दिया था, लेकिन जैसे-तैसे युवती वहां से भाग गई ओर गत 28 अगस्त को रात में पुलिस को आपबीती सुनाई और 7 नामजद लोगो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर न्याय की मांग की। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने धारा 376, 34 सहित कई गम्भीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, ओर जल्द ही आरोपियों को पकड़ने की बात कही जा रही है। युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उन लोगो के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। जो युवती से गलत काम करवाते थे, लेकिन पुलिस को उन लोगों के खिलाफ भी कार्यवाही करना चाहिए जिन्होंने युवती से दुष्कर्म किया। इस मामले में युवती से पूछताछ कर दुष्कर्म के आरोपियों की पहचान होने की भी संभावना है।

रात 12 बजे तक थाने में बैठी रही युवती

आरोपियों के चंगुल से छूटकर पुलिस के पास पहुँची युवती को पहले तो सुबह आने का कहा गया, लेकिन मामला गम्भीर होने और मीडिया की सक्रियता व युवती को जान का खतरा होने से पुलिस को तत्काल कार्यवाही करना पड़ी। वही थाने पर रात 12 बजे तक पीड़ित महिला अकेली बैठी रही। यहां अंजान लोगो ने छोटी बच्ची के लिए दूध-पानी की व्यवस्था की। वही थाने पर ना तो महिला कांस्टेबल थी और ना ही महिला पुलिस अधिकारी थी जिसको युवती खुलकर अपना दर्द बयां कर सके।

अटल बस्ती में बाहरी लोगों का दबदबा, बना अवैध गतिविधियों का गढ़

शासन ने गरीबों को मकान देने की योजना बनाते हुए 250 मकान बनाकर आबंटित किये लेकिन इन मकानों में अब उन लोगो का कब्जा है जिन्हें मकान कभी आबंटित हुए ही नही। इनमें से कई लोग ऐसे हैं जो यहां के निवासी तक नही। बहारी लोगो के साथ मिल कर कई स्थानीय गतिविधियों को यहां से संचालित कर रहे है। अटल बस्ती में अधिकांश बाहरी लोगों का दबदबा है जो इस प्रकार के अवैध गतिविधियों में संलिप्त है। यहां युवती भी बाहरी है और उससे जोर जबरजस्ती गलत काम करवाकर अंजान लोगो से पैसे लेकर दुष्कर्म वाले आरोपी भी बाहरी है। इस बस्ती के मकान मालिक बिना किसी जान पहचान के बाहरी लोगों को मकान किराये पर दे देते है। इस मामले में स्थानीय पुलिस को कई बार सभ्य रहवासियों ने मौखिक शिकायत भी की लेकिन पुलिस आज तक ऐसे बाहरी लोगों पर कोई कार्यवाही नही कर पाई है। वही बाहरी लोगों के अवैध कारनामो से यहां के स्थानीय युवाओं में आक्रोश व्याप्त है और वे पुलिस से सख्त कार्यवाही की मांग कर रहे है। थाना प्रभारी राजूसिंह बघेल ने कहा कि, युवती के बताए अनुसार लोगो पर प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422